





# యువత స్వయం ఉపాధిని ఎంచుకోవాలి

ఎంపీ పిఠాపుర్ర స్థితి  
కేసీ తండాలో పితూ యువ  
కార్య కార్యక్రమంలో ప్రైవేట్  
యూత్ ఎంపీ కేసీ తండా  
అంబేద్కర్ కార్యక్రమం



యువత ఉపాధిని ఎంచుకోవాలి

మహిళలు యువ అంబేద్కర్ కార్యక్రమం ద్వారా ఉపాధి సృష్టించుకుంటున్నారు. ఈ కార్యక్రమం ద్వారా మహిళలు ఉపాధి సృష్టించుకుంటున్నారు. ఈ కార్యక్రమం ద్వారా మహిళలు ఉపాధి సృష్టించుకుంటున్నారు.

కావాలి. యువ అంబేద్కర్ కార్యక్రమంలో పాల్గొని మహిళలు ఉపాధి సృష్టించుకుంటున్నారు. ఈ కార్యక్రమం ద్వారా మహిళలు ఉపాధి సృష్టించుకుంటున్నారు.

**మిగతా జోన్స్**  
**సాక్షి పాఠశాల**  
మొదటి ప్రాథమిక పాఠశాల  
మొదటి ప్రాథమిక పాఠశాల  
మొదటి ప్రాథమిక పాఠశాల

**సాక్షి** మీరు సాక్షిలో వివాహం, బహుమతి, వంటి వివరాలు తెలుసుకోవాలి, వ్యాపారం, ఉద్యోగ సృష్టించాలి, బహుమతి సృష్టించాలి మొదలైనవి తెలుసుకోవాలి. **కిరణ్ కుమార్ - 98**

# 'చత్తీస్ ఘడ్ గిరిజనుల్లో చైతన్యం రావాలి'

మహేశ్వరం : ఒక్కొక్కటి గిరిజన సంస్కృతిని కాపాడుకుంటూ జీవన విధానాలు మెరుగుపర్చుకుంటున్నామని టీఆర్ఎస్ నాయకుడు, మహేశ్వరం జడ్పీటీసీ ఈశ్వర్ నాయక్ తెలిపారు. మండల కేంద్రంలోని కేసీతాండలో నెహ్రూ యువ కేంద్ర రంగాచెట్టి ఆధ్వర్యంలో చత్తీస్ ఘడ్ రాష్ట్ర గిరిజనులకు (ట్రైబల్ యూత్ ఎక్స్ ప్రెజ్ పోగ్రాం) తెలంగాణ రాష్ట్ర గిరిజనుల సంస్కృతి, సాంప్రదాయాలు తెలియజేయడానికి బుధవారం రాత్రి పలు సాంస్కృతిక కార్యక్రమాలు నిర్వహించారు. ఈ కార్యక్రమంలో ముఖ్యఅతిథిగా ఆయనతో పాటు ఎంపీపీ పెంటమల్ల స్నేహ, వైస్ ఎంపీపీ మునగపాటి సుబ్బులు హాజరయ్యారు. ఈ సందర్భంగా జడ్పీటీసీ ఈశ్వర్ నాయక్ మాట్లాడుతూ తెలంగాణ రాష్ట్రంలో గిరిజనులు మెరుగైన జీవితమే కొనసాగిస్తున్నామని చెప్పారు. చత్తీస్ ఘడ్ ప్రతినిధి మాట్లాడుతూ చత్తీస్ ఘడ్ లో గిరిజనులు చాలా మెరుకైన జీవితం గడుపుతున్నారు. కార్యక్రమంలో ఎంపీ టీసీ బుజ్జి, నెహ్రూ యువ కేంద్ర జిల్లా కోఆర్డినేటర్ వెంకటేశం, ఎస్ఐ సాయిప్రకాష్, మండల కోఆర్డినేటర్ ఎ.రాజు, వార్డు సభ్యులు, యువకులు, గిరిజనులు పాల్గొన్నారు.



కేసీతాండలో ట్రైబల్ యూత్ ఎక్స్ ప్రెజ్ పోగ్రాంలో మాట్లాడుతున్న జడ్పీటీసీ ఈశ్వర్ నాయక్

# ప్రాంతాలు వేరైనా.. కళలు ఒకటే

మహేశ్వరం, న్యూస్ టుడే: ప్రాంతాలు వేరైనా కళలు ఒకటేనని జిల్లా యువజన సమన్వయకర్త ఆర్. వెంకటేశం అన్నారు. బుధవారం రాత్రి మండలంలోని కొత్తాల్ చెరువు తండాలో జిల్లా నెహ్రూ యువ కేంద్ర ఆధ్వర్యంలో గిరిజన యువతలో మార్పు కార్యక్రమంలో భాగంగా సాంస్కృతిక కార్యక్రమాలు నిర్వహించారు. ఈ సందర్భంగా చత్తీస్ ఘడ్ కు చెందిన పలువురు కళకారులు ఇక్కడ పాల్గొని ప్రదర్శనలు ఇచ్చారు. వెంకటేశం మాట్లాడుతూ గిరిజన యువత ఇక్కడ జరుగుతున్న అభివృద్ధిని చూసి వారి వారి ప్రాంతాలలో అభివృద్ధి చేసుకునేలా ప్రయత్నం చేయగలిగితే గిరిజన ప్రాంతాలు అభివృద్ధి చెంది దేశ భవిష్యత్తుకు ఓ మార్గాన్ని నెలకొల్పినవాళ్లం అవుతామని అన్నారు. మహేశ్వరం జడ్పీటీసీ సభ్యుడు ఈశ్వర్ నాయక్, ఎంపీపీ పెంటమల్ల స్నేహ ఈ సాంస్కృతిక కార్యక్రమాలను ప్రారంభించి, విజే

## ప్రతిబంధించిన గిరిజన సంప్రదాయం



చత్తీస్ ఘడ్ కళాకారులు..



అకట్టుకున్న గిరిజన నృత్యం

తలకు బహుమతులు అందజేశారు. ఇలాంటి కార్యక్రమాలు అన్ని గిరిజన తండాల్లో చేపట్టి వారిని చైతన్యపరచడం చేయాలన్నారు. గిరిజన ప్రాంతాల్లో ఉన్న యువకులు సక్రమ మార్గంలో వెళ్లడానికి, వారిలో శాంతి సహనం తీసుకరావడానికి, అభివృద్ధి తోడ్పాటుకు యువతను ఇతర ప్రాంతాలకు పంపించి వారిలో అవగాహన కల్పించడానికి ఈ కార్యక్రమం తోడ్పడుతుందన్నారు. లంబాడీ, గోండు, డప్పు, కోయ నృత్యాలు ఇక్కడివారిని ఆకట్టుకున్నాయి. ఈ కార్యక్రమంలో సర్పంచి ఆనందం, ఎంపీపీ పెంటమల్ల స్నేహ, జడ్పీటీసీ సభ్యులు ఈశ్వర్ నాయక్, ఉపాధ్యక్షురాలు స్వప్న, ఎంపీటీసీ సభ్యురాలు బుజ్జీనాయక్, మండల వలంటీర్ రాజేందర్, శేఖర్, తదితరులు పాల్గొన్నారు.



## युवा शक्ति को संगठित होने की जरूरत

समारोह

41 प्रतिभागियों को विवेकानन्द गौरव से किया सम्मानित

जयपुर (कास) : युवाओं को स्वामी विवेकानन्द के मार्ग का अनुसरण करना चाहिए, क्योंकि युवा शक्ति वर्तमान में भटकने के दौर से गुजर रही है, जिसे संगठित होने की आवश्यकता है। यदि इस भटकने को हम और हमारा देश ठीक ठीक से ठीक कर देंगे तो हमारे देश को विश्व में अग्रणी बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

यह कहना है पूर्व मुख्य न्यायाधीश निरंजन उपाध्याय एवं वर्तमान में अध्यक्ष मानव अधिकार आयोग, निरंजन उपाध्याय ने। उन्होंने युवा शक्ति वर्तमान में भटकने के दौर से गुजर रही है, जिसे संगठित होने की आवश्यकता है। यदि इस भटकने को हम और हमारा देश ठीक ठीक से ठीक कर देंगे तो हमारे देश को विश्व में अग्रणी बनने से कोई नहीं रोक सकता है।



समारोह में प्रतिभा को सम्मानित करते जस्टिस एनके जैन।

दोपहरिया कॉलेज सभागार में आयोजित विवेकानन्द सम्मान समारोह में संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर इस सम्मान समारोह में 41 विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। जिसमें संस्था का स्मृति चिह्न, शिल्प, प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को अध्यक्षता करते हुए

राजस्थान कॉन्फेडरेशन डेवरी कैम्पेस के अध्यक्ष निरंजन उपाध्याय ने कहा कि युवाओं को व्यवसाय से दूर रखने के लिए राजस्थान युवा छात्र संस्था, सराहनीय व उत्प्रेरक कार्यक्रम चला रहा है। अतिथि अध्यक्ष मोहन कुमार शर्मा, जिला युवा समन्वयक नरेश कुमार शर्मा, भारत सरकार, जयपुर ने

नेहरू युवा केन्द्र की भारी मौजूदगी के बारे में प्रकट किया। कार्यक्रम के विभिन्न अतिथि समाजसेवी निर्मल गोपाल थे। संस्था के उपाध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने संस्था के कार्यक्रम व नीतियों पर प्रकट किया। संस्था के सचिव मोहन शर्मा व अध्यक्ष जगदीश मोहानी ने अतिथियों का मान्यताएं कर स्वागत किया।

इन्हें मिला विवेकानन्द गौरव सम्मान

प्रशासनिक सेवा में बी.एल. शर्मा, संस्कृत शिक्षा में प्रो. प्रमोद नारायण, उपाध्यक्ष में संदीप किशोर, प्रबंधन व एडवोकेटरी में रिखाव शर्मा, डॉ. के.के. शर्मा, सचिव में आरपीएम आर.के. यादव, सचिव में मोहन शर्मा, जयपुर डेवरी के विवेकानन्द सम्मान समारोह में संबोधन करते हुए।

## यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम की शुरुआत

जयपुर. आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की शुरुआत मानसरोवर स्थित एक कॉलेज में हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत सरकार मीडिया एवं संचार की निदेशक प्रज्ञा पालीवाल गौड़ थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीआईजी, सीआरपीएफ आर.के. यादव ने की। गौड़ ने कहा कि युवा देश के लिए प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

## आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू

महानगर संवाददाता

जयपुर। नेहरू युवा केन्द्र जयपुर की ओर से बुधवार को दीपशिखा महाविद्यालय में 8वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम 2 फरवरी तक चलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत पीआईबी की निदेशक प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने की। अध्यक्षता आर. के. यादव डीआईजी सीआरपीएफ ने की। विशिष्ट अतिथि सदाशिव राम शर्मा पूर्व निदेशक नेहरू युवा केन्द्र नई दिल्ली, राम नरेश अवर सचिव गृह मंत्रालय, वीरेन्द्र खत्री नेहरू युवा केन्द्र राजस्थान, प्रेम सुराणा निदेशक दीपशिखा गुप ऑफ कॉलेज, सत्यव्रत सामवेदी अध्यक्ष वैदिक कन्या कॉलेज, कैलाश पहाडिया सचिव राजस्थान युवा बोर्ड थे। मुख्य अतिथि प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

## आठवां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू

संजीवनी दुडे

जयपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा नेहरू युवा केन्द्र संगठन, राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को आठवां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम 2 फरवरी तक चलेगा। इस सात दिवसीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के 9 जिलों से 200 संभागी तथा 19 एस्कोर्टस भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर मंडल निदेशक विरेन्द्र खत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम में शिविर के दौरान शैक्षणिक, रोजगारपरक, नशामुक्ति संबंधी, संस्कृतिक राष्ट्रीय एकता एवं नक्सलवाद उन्मूलन पर वार्ताओं सहित कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिनमें विषय-विषयों द्वारा युवा संभागियों को जानकारी प्रदान की जावेगी। समारोह की मुख्य अतिथि प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने

युवाओं को संबोधित करते हुये कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। आप सभी इस शिविर में वक्तों द्वारा बताई जाने वाली सीख को अपने क्षेत्र में जाकर युवा साथियों से साझा करें ताकि आपके क्षेत्र के विकास व राष्ट्र निर्माण में आपकी भागिदारी सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आर.के. यादव ने युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये कहा कि आप भारत के उस प्रदेश से आये हैं जिसमें विकास के कार्य पिछले 15-20 वर्षों से रुके हुये हैं। सभी प्रदेशों की भांति समान विकास हेतु भारत सरकार विभिन्न विभागों, संस्थानों के सहयोग से आपके क्षेत्र के विकास के लिये भी प्रयासरत है। विकास में बाधक तत्वों जैसे नक्सलवाद, भ्रष्टाचार आदि का निवारण आप सभी के सहयोग से ही संभव हो पायेगा।



## आठवां आदिवासी युवा आदान-प्रदान समारोह 2 को

जयपुर | छत्तीसगढ़ राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों के 200 आदिवासी युवाओं के लिए नेहरू युवा केंद्र जयपुर के तत्वावधान में आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

संचालित किए जा रहे हैं। आदान-प्रदान कार्यक्रम का मुख्य समारोह 2 फरवरी को 83 वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, रामगढ़ रोड लालवास, जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

### 'विवेकानंद गौरव' से सम्मानित हुईं 41 प्रतिभाएं

जयपुर | राजस्थान युवा छात्र संस्था एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन, जयपुर की ओर से एक माह तक मनाए गए स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह का समापन समारोह रविवार को दीपशिखा कॉलेज, वरुण पथ, मानसरोवर में आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की 41 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जैन, अध्यक्ष मानव अधिकार आयोग ने इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलकर देश सेवा करनी चाहिए। समारोह की अध्यक्षता डॉ. राजेश शर्मा, आईएएस, प्रबंधक संचालक, राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन ने की। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए 300 युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

### आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम संपन्न



जयपुर | गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, के तत्वावधान में नेहरू युवा केंद्र, जयपुर द्वारा 8वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य 9 जिलों क्रमशः बस्तर, बीजापुर, दंतवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, सुकमा, कोण्डागांव, बालोद एवं राजनंदगांव से 195 संभागी तथा सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा चयनित 22 एस्कॉर्ट्स ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सुरेन्द्र पाल टीटी थे।

### जैन को मिला 'विवेकानंद' सम्मान



जयपुर. राजस्थान युवा छात्र संस्था और नेहरू युवा केंद्र राजस्थान की ओर से रविवार को दीपशिखा कॉलेज में विवेकानंद सम्मान समारोह हुआ। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र में राजस्थान पत्रिका के संवाददाता विकास जैन को यह सम्मान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में एसएमएस अस्पताल के डॉ. रमेश जैन, डॉ. संदीप जसूजा, डॉ. अजय शर्मा और उच्च शिक्षा में प्रो. जे.पी. यादव सहित 41 प्रतिभाओं का सम्मान मिला। मुख्य अतिथि सिक्किम मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार जैन ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी के पीछे भागने के बजाय स्वयं का काम कर औरों के लिए रोजगार पैदा करने चाहिए। अध्यक्षता राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन/जयपुर के प्रबंध संचालक आईएएस डॉ. राजेश शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि नेहरू युवा केंद्र के जिला समन्वयक महेश कुमार शर्मा थे। समारोह में युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने को सीख दी गई।



## 'शुभ विचार' से ही आगे बढ़ेगा देश



### शुभ विचार अवार्ड 2016

जयपुर @ पत्रिका . शहीद दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शुभ विचार संस्थान की ओर से मानसरोवर स्थित दीपशिखा कॉलेज में शुक्रवार को 'शुभ विचार अवार्ड 2016' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के सचिव जितेन्द्र शर्मा ने शुभ विचार परिकल्पना को समझाया और कहा कि शुभ विचार से ही देश आगे बढ़ेगा। शहीद दिवस को समर्पित समारोह में शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

### इन्हें किया सम्मानित

कार्यक्रम महाभारत के द्रोणाचार्य फेम सुरेंद्र पाल को लाइफ टाइम

अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। संस्कृति सम्वर्द्धन संस्थान के स्वामी अनंतस्थामदेव, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी सुभाष जोशी, पूर्व उपमहापौर मनीष पारीक ने पत्रकारिता क्षेत्र में राजस्थान पत्रिका के संपादक हरीन जोशी, ज्योतिष क्षेत्र में डॉ. राघव एस. भट्ट, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विष्णुकांत लाम्बा, खेल क्षेत्र में पी. कृष्णकुमार और कैलाशचंद्र शर्मा, शिक्षा क्षेत्र में शशिकला शर्मा और बद्रीनारायण गौड़, मनोरंजन क्षेत्र में विनायक व्यास, ललित शर्मा और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. वंदना कल्ला ने सभी को बधाई दी।

## आदिवासी आदान- प्रदान में सीख रहे हैं स्किल डवलपमेंट के गुरु

जयपुर। गृह मंत्रालय एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में नेहरू युवा केन्द्र, जयपुर में 27 जनवरी से 2 फरवरी तक दीप शिखा कॉलेज मानसरोवर में 8वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के 9 जिलों के 200 संभागी एवं 19 एस्काट सहित कुल 219 लोग भाग ले रहे हैं। ये जानकारी शिविर प्रभारी जिला युवा समन्वयक महेश कुमार शर्मा ने दी। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन मीडिया और संचार निदेशक प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने किया। कार्यक्रम में दीप शिखा कॉलेज के निदेशक प्रेम सुराणा, पूर्व निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन एस.एस.आर. शर्मा, वैदिक कन्या महाविद्यालय के अध्यक्ष सत्यवृत्त सामवेदी, गृह मंत्रालय भारत सरकार के अवर सचिव राम नरेश, नेहरू युवा केन्द्र सहित कई लोग उपस्थित रहे।

## आदिवासी युवाओं का आदान-प्रदान कार्यक्रम

जयपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में नेहरू युवा केन्द्र, जयपुर द्वारा 2 फरवरी तक जयपुर में आयोजित हो रहे 8 वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तीसरे दिवस का शुभारम्भ राजस्थान आजिविका कौशल विकास निगम के प्रभारी अजय शर्मा, आकाशवाणी के युवावाणी प्रभारी कमलेश मीणा, नेहरू युवा केन्द्र जयपुर के जिला युवा समन्वयक महेश शर्मा, जीवन आश्रम संस्था की निदेशक डा. राधिका शर्मा की मौजूदगी में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में अजय शर्मा ने आदिवासी युवाओं को केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न कौशल विकास की योजनाएं जिनमें विशेष रूप से राष्ट्रीय आजिविका विकास मिशन की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आकाशवाणी के कमलेश मीणा ने रेडियो व एफ.एम पर युवाओं के प्रसारित होने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की, इसी दौरान जीवन आश्रम संस्था की निदेशक डा. राधिका शर्मा ने भी आदिवासी युवा प्रतिभागियों को आदिवासीयों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की एवं लैंगिंग समानता को बढ़ावा देने डोक्युमेंट्री मूवी मेरी पहचान के द्वारा बढ़ावा देने का आव्हान किया।

कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर शुभ विचार संस्थान द्वारा आदिवासी युवा संभागियों के लिए प्रख्यात कलाकरों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी गई एवं शुभ विचार सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें शशि कला शर्मा एवं डा. बी.एल. गौड़ को शिक्षा के क्षेत्र में के.सी. शर्मा को खेल में तथा ललित को पत्रकारिता के क्षेत्र सहित 9 अन्य समाज सेवियों को सम्मानित किया गया।



# दैनिक जागरण

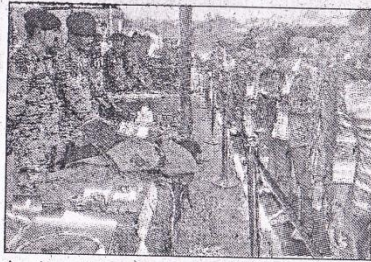
स्वर्ण व चार रजत - 12 श्रीलंका में सुषमा की सिरीसेन से आपसी हितों पर

पश्चिम बंगाल • झारखंड • बिहार • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर

## नक्सली इलाके के युवाओं को मूलधारा से जोड़ने की कोशिश

♦ सीआरपीएफ केंद्र में फोर्स से जुड़ने की दी गई जानकारी

जागरण संवाददाता, दुर्गापुर : राज्य के झारखंड एवं छत्तीसगढ़ में नक्सली प्रभाव ज्यादा देखने को मिलता है। जहां नक्सली युवाओं को अपने साथ जोड़ने के लिए हर समय प्रयासरत रहते हैं। उन इलाके के आदिवासी युवक-युवतियों को समाज की मूलधारा से जोड़ने एवं फोर्स में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन की ओर से प्रयास किया जा रहा है। जिसके तहत शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दुर्गापुर ग्रुप केंद्र में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



कैम्प में आग्नेयास्त्र देखते युवा । जागरण सीआरपीएफ केंद्र में तकरीबन ढाई सौ युवक-युवती आए हुए हैं। उन्हें पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए भी जानकारी दी जाएगी। एनवाइकेएस के दुर्गापुर के को-ऑर्डिनेटर राजीव मजुमदार ने कहा कि केंद्र सरकार के युवा व खेल मंत्रालय द्वारा यह संगठन चलाया जा रहा है। इस कैम्प में 18 से 22 वर्ष के युवा हिस्सा ले रहे हैं।

जहां नक्सलियों द्वारा किए जानेवाले धमके के बारे में जानकारी के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बल द्वारा उपयोग किए जानेवाले आग्नेयास्त्र व हथियार को दिखाया गया एवं इसकी जानकारी दी गई। साथ ही आदिवासी इलाके के युवक कैसे सीआरपीएफ के साथ जुड़ सकते हैं, इसकी भी जानकारी दी गई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र के उपमहानिरीक्षक आरएनएस बहादुर ने कहा कि नक्सली लगातार युवाओं के साथ मिलकर उन्हें अपने साथ करने के प्रयास में रहते हैं। आदिवासी युवक उनके बहकावे में न आए एवं समाज की मूलधारा के साथ जुड़े रहें। अर्द्धसैनिक बल में काम करें इन सब के बारे में जानकारी दी जाती है। नेहरू युवा केंद्र संगठन की ओर से इन युवाओं को एकत्र कर विभिन्न जगह ले जाकर जानकारी दी जाती है। जिसके तहत दुर्गापुर

झारखंड के गढ़वा जिले से आयी ज्योति कुमारी ने बताया कि इलाके में नक्सलियों का आतंक देखने को मिलता है। वे लोग इलाके में आकर डराते-धमकाते हैं एवं अपनी गतिविधियों में शामिल करने के लिए दबाव देते हैं। लेकिन हमलोग फोर्स के साथ जुड़ना चाहते हैं। प्रभुदयाल, सिंह, फुल कुमारी ने कहा कि सेना के कैम्प में आने से अच्छा लगा एवं यहां नक्सलियों द्वारा किए जानेवाले विस्फोट के साथ-साथ सेना के आग्नेयास्त्र देखने का मौका मिला। हमलोग भी फोर्स में शामिल होने को प्रयास करेंगे।

कोलकाता  
बुधवार, 3 फरवरी, 2016  
आज सुबह का दौड़ा 2012  
₹14  
₹ 2.50  
₹12

# प्रभात खबर

अखबार नहीं ओटोलेन

लोकेशन: रीले, पटना, कलकत्ता, बंगलूर, देहरादून, दिल्ली, मुंबई, गुवाहाटी, कोयंबूर, राय से उपलब्ध

## 200 आदिवासियों को किया जायेगा जागरूक

कोलकाता, 2 फरवरी: 200 आदिवासियों को जागरूक करने के लिए 24 घण्टे के लिए सैनिकों द्वारा संचालित जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में 200 आदिवासी युवाओं को शामिल किया जायेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से इन युवाओं को सैनिकों द्वारा संचालित जागरण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जायेगी।

11 श्री हरि :

# मन्मान

7 फरवरी, 2016

## रविवार

### दुर्गापुर सीआरपीएफ कैम्प में युवाओं का आयोजन

दुर्गापुर : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दुर्गापुर ग्रुप केंद्र में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 200 युवाओं को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से इन युवाओं को सैनिकों द्वारा संचालित जागरण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जायेगी।

रविवार 9 फरवरी 2016

# आसानसोल दुर्गापुर

EXHIBITION OF ARMS AND AMMUNITIONS ORGANIZED AT C.R.P.F., GC-14, AMRABATI, DURGAPUR DURING THE INTERACTION PROGRAMME WITH C.R.P.F. ON 06.02.2016 UNDER 8<sup>TH</sup> TRIBAL YOUTH EXCHANGE PROGRAMME (T.Y.E.P.)



# ಉದಯವಾಣಿ

ಜನಮನದ ಜೀವನಾದಿ

www.udayavani.com | Bengaluru ಬೆಂಗಳೂರು | ಶನಿವಾರ, ಫೆಬ್ರವರಿ 6, 2016 | ಪುಟ 14-4 | ₹ 4.00 | ಮರಣಹಂತ | ಬೆಂಗಳೂರು | ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ | ಕರಾವಳಿ |

## ಇಂದಿನ ಆಮಂತ್ರಣ

**ಫೆ.6, ಶನಿವಾರ**  
**ಆರ್.ಎಸ್.ಎಸ್. ಶಿಬಿರ:** 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಸಭೆ ಸುರೇಶ್ ಕುಮಾರ್, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

**ಸಿಬಿಎಂ ಪೀಠ** ಮಹಿಳಾ ಶಾಲೆ: 1ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

**ಅಧ್ಯಾಪಕ ಮಹಿಳಾ ಶಾಲೆ:** 1ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

**ಭಾರತೀಯ ವ್ಯಾಪ್ತಿ:** 1ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

**ಗಾಂಧಿ ಗೋಪುರ:** 1ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

**ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಮಂಡಳಿ:** 1ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

# ಪ್ರಜಾವಾಣಿ

ಮಳೆ ಕೊಡೆ: ಪಕ್ಕಿ ಉತ್ತರಣೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ | ಮುಕ್ತಭಂಡ | ದೈವ ಪ್ರಯೋಗ ದರ ದಾಖಲೆ | ಮುಂಬರುವ 'ಪ್ರಜಾವಾಣಿ'



## ಗಮನಸೆಳೆದ ನೃತ್ಯ ಪ್ರದರ್ಶನ

**8ನೇ ಬುಡಕಟ್ಟು ಯುವ ವಿವಿಮಯ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಚಾಲನೆ**

ಬುಡಕಟ್ಟು ಯುವ ವಿವಿಮಯ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ 8ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

**LAST DAY TODAY**  
**CREDAI**  
**REALTY EXPO**

# ಪ್ರಜಾವಾಣಿ

ಮಂಗಳವಾರ, ಫೆಬ್ರವರಿ 9, 2016 | ಬೆಂಗಳೂರು | ₹ 4.00 | ಪುಟ 22 | ಸಂಖ್ಯೆ 69 | ಸಂಜೆ 40

## ಇಂದು ಭಾರತ-ಶ್ರೀಲಂಕಾ 83-20 ಪಂದ್ಯ

### ಬುಡಕಟ್ಟು 'ಯುವ ವಿವಿಮಯ' ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ

**ನಿಆರ್‌ಪಿಎಫ್ ಕೇಂದ್ರಕ್ಕೆ ಭತ್ತೀಸೊಗಡ ಯುವಜನ**

ಬುಡಕಟ್ಟು 'ಯುವ ವಿವಿಮಯ' ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ 8ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.

ಬುಡಕಟ್ಟು 'ಯುವ ವಿವಿಮಯ' ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ 8ನೇ ಬಾರ್ಷಿಕ್ಯು ಯುವವಿವಿಮಯೋಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ, ಉದ್ಯಾನ, 47ನೇ ವಾರ್ಷಿಕ ಆಚರಣೆ, ಉದ್ಯಾನ, ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳು: ಬಾಲಕಿ ಸಂಜ್ಞೆ ಪದವಿ, ನಟ ಭದ್ರ, ನಿಖ್ಲ ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಬೆಂಗಳೂರು, ನಟ ಅಶೋಕ, ಸುಬ್ಬಣ್ಣ ಪಾಟೀಲ್, ರಾಜಕೀಯ, ಸಂಜೆ 4.



ನಿಆರ್‌ಪಿಎಫ್ ಕೇಂದ್ರದಲ್ಲಿ ನಡೆದ ಮಾರಾಟದಲ್ಲಿ ಭತ್ತೀಸೊಗಡ ಬುಡಕಟ್ಟು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಯುವಜನರು.



# ಮೆಟ್ರೋ

ಬೆಂಗಳೂರು

ಮುಸುಲಿ, ಯುಗಳ ಬಹುಲ ನೈತ್ಯೋಲ್ಲಾಸ 3



## ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನರ ನಗರಾನುಭವ



ಭತ್ತೀಸಾಗಡ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಕರಿಂದ ನೃತ್ಯ

### ಸಂತೋಷ್ ಬೆಗಲೆಕೊಪ್ಪ

ಅವರಲ್ಲಿ ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಜೀವನ ಕಂಡುಕೊಂಡ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರು. ಪುರದ ಎಲೆ, ಕಟ್ಟಿಗೆ, ಚೂರು, ವಿವಿಧ ಪ್ರಾಣಿಗಳ ಎಲ್ಲವು ಅವರ ಅಲಂಕಾರಿಕ ಅಭರಣಗಳು. ತಲೆ ಮೇಲೆ ಸದಾ ನೋಡುವ ವಿಧಿವನ್ನ ಬಗ್ಗೆಯ ಟೋಪಿ. ಅದಕ್ಕೆ ಗುರುತು ಎಂಬಂತೆ ಅಂಟಿಸಿರುವ ನವಿಲು ಗರಿಗಳು. ಸೊಂಟದ ಪಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಮಿಂಚುತ್ತಿದ್ದ ವಿವಿಧ ಬಣ್ಣದ ಬಟ್ಟೆಗಳು. ಇಂತಹ ವೇಷಭೂಷಣ ತೊಟ್ಟ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರು ಬೆಂಗಳೂರಿನಂತಹ ಬೃಹತ್ ನಗರದಲ್ಲಿ ಸಂಚರಿಸಿದರೆ ಹೇಗೆರುತ್ತದೆ?

ಅಂತಹ ವಿನೂತನ ಪ್ರಯೋಗದ ಮೂಲಕ ನೆಹರೂ ಯುವ ಕೇಂದ್ರ ಕರ್ನಾಟಕ ವಲಯವು ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದವರಿಗೆ ಅಧುನಿಕ ಜೀವನ ಶೈಲಿಯ ಪರಿಚಯ ಮಾಡಿಸಿದೆ. ಭತ್ತೀಸಾಗಡ ರಾಜ್ಯದ ಸುಮಾರು 221 ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರನ್ನು '8ನೇ ಯುವ ವಿನಿಮಯ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ' ನಿಮಿತ್ತ ಬೆಂಗಳೂರಿಗೆ ಆಹ್ವಾನಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ಅವರಲ್ಲಿ ಸ್ಥಳೀಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳುವಲ್ಲಿ ಯಶಸ್ವಿಯಾದರು.

ಫೆಬ್ರುವರಿ 5ರಂದು ಶುರುವಾದ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಉದ್ಘಾಟನಾ ಸಮಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಅರಣ್ಯ ದೇವರ ಹೆಸರಿನ ನೃತ್ಯ ಹಾಗೂ ಹಬ್ಬದ ವಿಶೇಷ ನೃತ್ಯಗಳನ್ನು ಪ್ರದರ್ಶಿಸಿದ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಕ-ಯುವತಿಯರು ನೋಡುಗರಿಗೆ ಕಾಡಿನ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ದರ್ಶನ ಮಾಡಿಸಿದರು. ಅವರು ಮೃತುಂಬು ದರಿಸಿದ್ದ ಉಡುಗೆ ಇಂದಿನ ಅಧುನಿಕ ಜನರನ್ನು ನಾಚಿಸುವಂತಿತ್ತು.

ನೋಂದಣೆ ದಿನದಂದು 'ಕಾಡಿನ ಜನ ನಾವು. ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ಸುತ್ತಾಡುವುದು ಹೇಗೆ?' ಎಂದು ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರು

ಕರ್ನಾಟಕಕ್ಕೆ ಬಂದಿದ್ದು ಖುಷಿ ನೀಡಿದೆ. ಇಲ್ಲಿಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿಗೂ ನಮ್ಮ ಸಂಸ್ಕೃತಿಗೂ ಬಹಳ

ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ವಾಸವಿರುವ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರನ್ನು ಕರೆತಂದು 'ವಿನಿಮಯ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ' ಸಂಘಟಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರಿಗೆ ಬೆಂಗಳೂರು ದರ್ಶನ, ಸ್ಥಳ ಪರಿವೀಕ್ಷಣೆ ಸೇರಿ ಹಲವು ಅರ್ಥಪೂರ್ಣ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ಅವುಗಳು ಯುವಜನರ ಶ್ರೇಯೋಭಿವೃದ್ಧಿಗೆ ಹೆಚ್ಚು ಸಹಕಾರಿ.

—ಎನ್. ನತೇಷಿ, ನೆಹರೂ ಯುವಕೇಂದ್ರದ ಕರ್ನಾಟಕ ವಲಯದ ನಿರ್ದೇಶಕ.

ಮಾತನಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದರು. ಅವರ ಆತಂಕವನ್ನು ದೂರ ಮಾಡಿದ್ದು ನೆಹರೂ ಯುವ ಕೇಂದ್ರದ ಕರ್ನಾಟಕ ವಲಯದ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು. ಯುವಜನರಿಗೆ ಬೆಂಗಳೂರಿನ ವಿವಿಧ ಸ್ಥಳ ವೀಕ್ಷಣೆಗೆ ಅಚ್ಚುಕಟ್ಟಾದ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಿದ್ದರು.

ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಮೊದಲ ದಿನ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಆಧಾರಿತ ನೃತ್ಯ ಪ್ರದರ್ಶಿಸಿದ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರು, ಅಂದೇ ರಾಜ್ಯಪಾಲರನ್ನು ಭೇಟಿಯಾಗಲು ರಾಜಭವನದತ್ತ ಹೆಜ್ಜೆ ಹಾಕಿದರು. ಹಿರಿಯ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೊಂದಿಗೆ ತೆರಳಿದ್ದ ಯುವಜನರು, ರಾಜ್ಯಪಾಲರನ್ನು ಕಂಡು ವಿಚಾರ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡಿಕೊಂಡರು. ರಾಜ್ಯಪಾಲರು ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರ ಬಳಿ ತೆರಳಿ ಕುಶಲೋಪರಿ ವಿಚಾರಿಸಿದರು. ಅಂತಹ ಸುಮಧುರ ಗೆಳೆಗೆ ತಮ್ಮ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಬರುತ್ತದೆ ಎಂದು ಕನಸಲ್ಲೂ ಊಹಿಸದ ಯುವಜನರಿಗೆ ರಾಜ್ಯಪಾಲರ ಭೇಟಿ ಖುಷಿ ಉಂಟುಮಾಡಿತ್ತು. ಎಲ್ಲರೂ ರಾಜ್ಯಪಾಲರೊಂದಿಗೆ ಸಾಮೂಹಿಕ ಛಾಯಾಚಿತ್ರ ಕ್ಷಿಪಿಸಿಕೊಂಡು ರಾಜಭವನದಿಂದ ನಗು ನಗುತ್ತ ಸಂಭ್ರಮದಿಂದ ಹೊರಬಂದರು.

ರಾಜ್ಯದ ಆಡಳಿತ ಕೇಂದ್ರ ವಿದಾನಸೌಧದ ಬಹು

ಅವರೊಂದಿಗೆ ಛಾಯಾಚಿತ್ರ ತೆಗೆಸಿಕೊಂಡರು.

ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳ ಗಮ್ಯತೆ ತಾವು ತಂಗಿದ್ದ ಸಿಆರ್‌ಪಿಎಸ್ (ಸೆಂಟ್ರಲ್ ರಿಸರ್ವ್ ಪೊಲೀಸ್ ಫೋರ್ಸ್) ಕ್ಯಾಂಪ್‌ನಲ್ಲಿ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರು ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳ ಗಮ್ಯತೆ ಲೀಲಿದರು.

ಪ್ರತಿನಿತ್ಯ ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಹಾಗೂ ಸಂಜೆ ನೃತ್ಯ, ಗಾಯನ ಮತ್ತು ಮನರಂಜನಾ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳು ನಡೆಸಿಕೊಟ್ಟರು. ಪ್ರತಿಯೊಂದರಲ್ಲೂ ಬುಡಕಟ್ಟು ಯುವಜನರು ಉತ್ಸಾಹದಿಂದ ಪಾಲ್ಗೊಂಡು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಮೆರುಗು ನೀಡುತ್ತಿದ್ದರು.

ಭತ್ತೀಸಾಗಡ ರಾಜ್ಯದ ಬಸ್ಸು ಜಿಲ್ಲೆ ಹಾಗೂ ಬಿಜಾಪುರ್ ಜಿಲ್ಲೆಯ ತಲಾ 27, ದಂತೇವಾಡೆ (ದಕ್ಷಿಣ ಬಸ್ಸು) 17, ಕಕೇರ್ (ಉತ್ತರ ಬಸ್ಸು) ಜಿಲ್ಲೆಯ 22, ನಾರಾಯಣಪುರ, ಸುಕ್ಕಾ ಹಾಗೂ ಕುಂದೆಗಾಂವ್ ಜಿಲ್ಲೆಯ ತಲಾ 28, ಬಲೋಡ್ ಹಾಗೂ ರಜನಾನಂದಗಾಂವ್ ಜಿಲ್ಲೆಯ ತಲಾ 22 ಯುವಜನಕೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಉತ್ಸಾಹದಿಂದ ಪಾಲ್ಗೊಂಡಿದ್ದರು.

ಅರಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಇದ್ದು ಸದಾ ಪ್ರಾಣಿ, ಪಕ್ಷಿ ನಿಸರ್ಗದೊಂದಿಗೆ ಕಾಲ ಕಳೆಯುವ ಬುಡಕಟ್ಟು ಜನಾಂಗದ ಯುವಜನರಿಗೆ ಸಾಕ್ಷ್ಯಚಿತ್ರ ವೀಕ್ಷಣೆ ಹೊಸದೊಂದು ಅನುಭವ ನೀಡಿತು.

'ಭಾರತದ ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ಹೋರಾಟ', 'ಪ್ರಜಾಪ್ರಭುತ್ವ ವ್ಯವಸ್ಥೆ', 'ವೈಜ್ಞಾನಿಕ ಹಾಗೂ ತಾಂತ್ರಿಕತೆ ಕುರಿತ ಸಾಕ್ಷ್ಯಚಿತ್ರಗಳನ್ನು ಯುವಜನರಿಗೆ ತೋರಿಸಲಾಯಿತು. ಸಾಕ್ಷ್ಯಚಿತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಡಿಬಂದ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ವಿಷಯ ಕುರಿತ ಸಂದೇಹಗಳನ್ನು ಯುವಜನರು ಸಂವಾದದಲ್ಲಿ ಪರಿಣತಿಯಿಂದ ಪರಿಹರಿಸಿಕೊಂಡರು.



# ਅਗ ਬਾਣੀ

ਜਲੰਧਰ, ਵੀਰਵਾਰ THURSDAY 11 Feb 2016

## ਰਮਦਾਸ ਵਿਖੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਯੁਵਾ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ

**ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ, ਓਡਿਸ਼ਾ ਤੇ ਝਾੜਖੰਡ ਦੇ 15 ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਤੋਂ 221 ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ**

ਰਮਦਾਸ, 10 ਫਰਵਰੀ (ਬਲਜਿੰਦਰ/ਡੋਜੀ)-ਸਥਾਨਕ ਸ਼ਹਿਰ 'ਚ ਯੁਵਾ ਮਾਮਲੇ, ਖੇਡ ਤੇ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲਾ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਨਹਿਰੂ ਯੁਵਾ ਕੇਂਦਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, ਸੋਬਲ ਵੈਲਫੇਅਰ ਕਲੱਬ ਰਮਦਾਸ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਯੂਥ ਜ਼ਿਲਾ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਸੋਮਸਨ ਮਸੀਹ ਤੇ ਐਡਵੋਕੇਟ ਰਾਜੀਵ ਮਦਾਨ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਦਿਵਾਸੀ ਯੁਵਾ ਸ਼ਕਤੀ ਨੂੰ ਭਾਰਤੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਸਬੰਧੀ ਸੁਚੇਤ ਤੇ ਸਿੱਖਿਅਤ ਕਰਨ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ 'ਆਦਿਵਾਸੀ ਯੁਵਾ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ' ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ, ਓਡਿਸ਼ਾ ਤੇ ਝਾੜਖੰਡ ਦੇ 15 ਜ਼ਿਲ੍ਹਿਆਂ ਤੋਂ 221 ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ।

ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਚੀਫ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਇਨਕਮ ਟੈਕਸ ਅਜੇ ਸਿੰਘ, ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਇਨਕਮ ਟੈਕਸ ਜੰਗਿੰਦਰ ਚੌਧਰੀ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਇਨਕਮ ਟੈਕਸ ਰਵੀੰਦਰ ਸਿੰਘ ਗਿੱਲ, ਨਹਿਰੂ ਯੁਵਾ ਕੇਂਦਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦੇ ਜ਼ਿਲਾ ਯੂਥ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਸੋਮਸਨ ਮਸੀਹ ਤੇ ਐਡਵੋਕੇਟ ਰਾਜੀਵ ਮਦਾਨ ਨੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ



ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਚੀਫ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਇਨਕਮ ਟੈਕਸ ਅਜੇ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਸੋਮਸਨ ਮਸੀਹ, ਐਡਵੋਕੇਟ ਰਾਜੀਵ ਮਦਾਨ ਤੇ ਹੋਰ

ਰਾਹੀਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸੂਬਿਆਂ ਦੇ ਵਿਰਸੇ, ਸੱਭਿਆਚਾਰ, ਖਾਣ-ਪੀਣ, ਪਹਿਰਾਵੇ ਤੇ ਰਹਿਣ-ਸਹਿਣ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੁਨੀਆ ਦਾ ਇੱਕ ਅਜਿਹਾ ਦੇਸ਼ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਲੋਕ ਵਸਦੇ ਹਨ ਪਰ ਉਹ ਆਪੋ-ਆਪਣੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੀ ਪਛਾਣ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਆਪਸੀ ਭਾਈਚਾਰਕ ਸਾਂਝ ਰਾਹੀਂ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਏਕਤਾ ਤੇ ਅਖੰਡਤਾ ਲਈ ਵਚਨਬੱਧ ਹਨ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਜਿੱਥੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਯੁਵਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਰਵਾਇਤੀ ਪਹਿਰਾਵੇ ਵਿਚ ਆਪਣੇ ਵਿਰਸੇ ਦਾ ਨਾਚ ਗਾਣ ਕਰਕੇ ਸਰੋਤਿਆਂ ਦਾ ਮਨੋਰੰਜਨ ਕੀਤਾ ਉਥੇ ਪੰਜਾਬੀ ਗਾਣਿਆਂ 'ਤੇ ਵੀ ਗਿੱਧਾ-ਭੋਗੜਾ ਵੀ ਪਾਇਆ। ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਰਣਜੀਤ ਅਖਾੜਾ ਦੀ ਗੱਤਕਾ ਪਾਰਟੀ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੇ ਕਰਤੱਬ ਵਿਖਾਏ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਵਿਸ਼ਵ ਮਾਨਵਤਾ ਵਿਕਾਸ ਸੰਗਠਨ ਦੇ

ਮੈਂਬਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਸਮਾਜਿਕ ਕੁਰੀਤੀਆਂ ਵਿਰੁੱਧ ਕਵੀਬਰੀ ਰਾਹੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਸਮਾਗਮ ਦੀ ਸਮਾਪਤੀ ਉਪਰੰਤ ਐਡਵੋਕੇਟ ਰਾਜੀਵ ਮਦਾਨ ਤੇ ਜੱਸਪਾਲ ਜੱਸ ਵੱਲੋਂ ਮੁੱਖ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਸੋਬਲ ਵੈਲਫੇਅਰ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਜਸਪਾਲ ਰਮਦਾਸ, ਕੁਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਾਹਲਾ, ਦੀਪਕ ਕੁਮਾਰ ਗੱਗਮਾਹਲ, ਮੇਜਰ ਸਿੰਘ ਸਰਪੰਚ, ਅਮਰਜੀਤ ਸੋਨੀ, ਬਲਦੇਵ ਸਿੰਘ ਆਜ਼ਾਦ, ਡਾ. ਰਵੀ ਗੁਪਤਾ, ਬਾਬਾ ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ, ਅਮਨਜੋਤ ਸਿੰਘ ਗੰਗਮਾਹਲ, ਸੁੱਚਾ ਸਿੰਘ ਰੋਹਾਵਾ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਹਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ, ਗੁਲਜ਼ਾਰੀ ਲਾਲ, ਸੋਨੂ ਮਦਾਨ, ਸੰਦੀਪ ਕੌਰ, ਦੁਰਗਾ ਦਾਸ, ਸੁਰਜੀਤ ਸਿੰਘ ਅਵਾਣ ਤੇ ਮਨੀ ਰਮਦਾਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ 'ਚ ਇਲਾਕਾ ਨਿਵਾਸੀ ਗਾਜ਼ਰ ਸਨ।

# ਅਗੂਰਵਾਸਰ ਸਵੇਰਾ

dainiksavera www.saveratv.in /dainiksavera TADMS

ERA TIMES, JALANDHAR ਜਲੰਧਰ, ਬੁੱਧਵਾਰ, 10 ਫਰਵਰੀ, 2016

## ਯੁਵਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰੀਠ : ਡੀ.ਆਈ.ਜੀ. ਥੋਪਰੇ

**8ਵਾਂ ਆਦਿਵਾਸੀ ਯੁਵਾ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਠੰਧ ਲਗਾਏ**

ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ, 9 ਫਰਵਰੀ (ਵਿੰਦਰ) : ਸੈਂਟ੍ਰਲ ਰਿਜ਼ਰਵ ਪੁਲਿਸ ਫੋਰਸ 'ਚ ਡੀ.ਆਈ.ਜੀ. ਸੁਨੀਲ ਥੋਪਰੇ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਯੁਵਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰੀਠ ਕੀ ਹੈ। ਯੁਵਾओं को विकसित होने के लिए अपना समय निਬੰधित करने परीब्रम तथा हिम्मत के साथ अगे आना चाहिए। यह याद रखने में मंगलवार को नेहरू ਯੁਵਾ ਕੇਂਦਰ ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ਯੁਵਾ ਮਾਮਲੇ ਤਥਾ ਚੀਫ ਮੰਤਰਾਲਯ ਐੱਚ ਗੁਰ ਮੰਤਰਾਲਯ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਕੀ ਟਰਫ ਸੇ ਆਯੋਜਿਤ 8ਵੇਂ ਆਦਿਵਾਸੀ ਯੁਵਾ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੈਂਪ ਮੇਂ ਕਹੀ। ਆਦਿਵਾਸੀ ਯੁਵਾ ਆਯਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੈਂਪ ਨੇਹਰੂ ਯੁਵਾ ਕੇਂਦਰ ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕੇ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਸੋਮਸਨ ਮਸੀਹ ਕੇ ਨੇਤ੍ਰੁਕ ਮੇਂ 5 ਫਰਵਰੀ ਸੇ 12 ਫਰਵਰੀ 2016 ਤਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕਿਯਾ ਜਾ ਰਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਮੇਂ ਚਤੀਸਗੜ੍ਹ ਤਥਾ ਝਾੜਖੰਡ ਕੇ 221 ਯੁਵਾ ਤਥਾ ਖੰਡਕ ਕੇ 39 ਯੁਵਾ ਹਿਸਸ ਲੇ ਰਹੇ ਹੈ। ਡੀ.ਆਈ.ਜੀ. ਥੋਪਰੇ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਕੀ ਟਰਫ ਸੇ ਯੁਵਾओं



ਡੀ.ਆਈ.ਜੀ. ਸੁਨੀਲ ਥੋਪਰੇ ਕੈਂਪ ਮੇਂ ਬਚੱਠੇ ਠੇ ਆਯ।

ਕੀ ਕੇਹਰੀ ਕੇ ਲਿਯ ਰਿਕਲ ਵਿਕਾਸ ਕੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਚਲਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹੈ ਜਕਿ ਇਨਕਾ ਸਾਹਿਕਾਰਯਾ ਕਰਕੇ ਆਥਿਕ ਗੈਰ ਪਰ ਮਜ਼ਕੂਰ ਬਨਾਯਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਇਸ ਟਰਫ ਕੇ ਕੈਂਪ ਸੇ ਆਪਸੀ ਬਦਮਾਯਨਾ ਤਥਾ ਘਾਇਬਰੇ ਕੀ ਦੇਸ਼ ਮੇਂ ਮਜ਼ਕੂਰ ਬਨਾਯਾ ਜਾ ਸਕਤਾ ਹੈ। ਇਸਕੇ ਮਦਦਿਨਯਰ ਹੀ ਹਮਾਰੇ ਦੇਸ਼ ਕੇ ਪ੍ਰਧਾਨਮੰਤਰੀ ਨਰੰਦ ਮੋਦੀ ਇਸ ਨਯਰਅੰਦਾਜ਼ ਯਗ ਕੇ ਵਿਕਾਸ ਕੀ ਪ੍ਰਾਥਮਿਕਤਾ ਦੇ ਰਹੇ ਹੈ। ਤਨਹੀਨੇ ਬਨਾਯਾ ਕਿ ਇਸਕੀ ਡਿਮੇਬਾਰੀ ਗੁਰ ਮੰਤਰਾਲਯ, ਨੇਹਰੂ ਯੁਵਾ ਕੇਂਦਰ ਸੰਗਠਨ ਯੁਵਾ ਮਾਮਲੇ ਤਥਾ ਚੀਫ ਮੰਤਰਾਲਯ ਐੱਚ ਗੁਰ ਮੰਤਰਾਲਯ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਕੀ ਟਰਫ ਸੇ ਯੁਵਾओं

ਕੀ ਏਸ ਏਫ. ਸੀ. ਆਰ. ਪੀ. ਏਫ. ਆਈ ਟੀ. ਡੀ. ਡੀ. ਤਥਾ ਏਸ ਏਫ. ਡੀ. ਕੀ ਸੰਬੁਧਤ ਗੈਰ ਪਰ ਟੀ ਗਏ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪਰ ਸੋਮਸਨ ਮਸੀਹ, ਮੈਡੀਕਲ ਕਮਲੇਜ਼ ਕੇ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸਵੰਯਾਜੀਤ ਕੇ ਅਲਾਕਾ ਜਿਲਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਅਫਸਰ (ਵਿਕਾਸ) ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਕਾਡੇਮੀ, ਜਲੰਧਰ, ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ਕੇ ਜ਼ਿਲਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਅਫਸਰ ਸੰਦੀਪ ਕੌਰ, ਰੋਬਿਨਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਨਿਲ, ਸੁਨੀਲ ਕੁਮਾਰ, ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਖਿੰਸਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਪੀਟਰ ਮਸੀਹ, ਜਯਗਰ ਸਿੰਘ, ਰਮਨੀਯ ਕੌਰ, ਹਰਵਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਸਨਭੀਰ ਕੌਰ, ਸੁਰਮਨੀਯ ਕੌਰ ਆਦਿ ਖੀ ਸੀਜੂਦ ਥੇ।



# अमृतसर भास्कर

## पंजाबियत के रंग में रंगे आदिवासी युवा

विरसा विहार में आयोजित कार्यक्रम में सीआरपीएफ के डीआईजी ने कहा: युवा देश की रीढ़ होते हैं

भास्कर न्यूज़ | अमृतसर

विरसा विहार में चल रहे आठवें आदिवासी युवा आदान-प्रदान प्रोग्राम में मंगलवार को आदिवासी युवा और युवतियां पंजाबी कल्चर में पूरी तरह से रंगे नजर आए। इन लोगों ने अपने कल्चरल आइटम पेश करके लोगों को मुग्ध तो किया ही बल्कि गिद्धा और भंगड़े में भी खूब थिरके। विकास से कोसों दूर माओवादी तथा नक्सली इलाकों के इन प्रतिभागियों ने बताया कि वह प्रोग्राम की मीठी यादों को साथ ले जाएं। समागम के मुख्य मेहमान सीआरपीएफ के डीआईजी सुनील थोरपे ने कहा कि ऐसे प्रोग्राम देश को जोड़ते हैं।

चार राज्यों के युवा ले रहे हिस्सा : नेहरू युवा केंद्र के जिला को-ऑर्डिनेटर सैमसन मसीह ने बताया



प्रोग्राम के दौरान सीआरपीएफ के डीआईजी सुनील थोरपे और नेहरू युवा केंद्र के को-ऑर्डिनेटर सैमसन मसीह पंजाब, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के बच्चों के साथ।

कि पांच से 12 फरवरी तक चलने वाले इस प्रोग्राम में पंजाब के अलावा छत्तीसगढ़, झारखंड तथा उड़ीसा के नक्सल तथा माओवाद प्रभावित इलाकों के 250 बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। इसका मुख्य मकसद उनको देश

की विविधता बारे बताना, उनमें देश प्रेम की भावना पैदा करके उन्हें मुख्य धारा में लाना है। उन्होंने बताया कि इस तरह के प्रोग्राम की जिम्मेदारी गृहमंत्रालय, नेहरू युवा केंद्र, खेल मंत्रालय, बीएसएफ, सीआरपीएफ,

आईटीबीपी व एसएसबी को संयुक्त रूप से दी गई है।

युवा देश की रीढ़ : डीआईजी ने प्रोग्राम की तारीफ की और कहा कि इस तरह के प्रोग्राम देश को जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य और रीढ़ की हड्डी होते हैं। उनको तरक्की की राह पर लाना और उनमें राष्ट्रीयता की भावना पैदा करना हमारी सब की जिम्मेदारी है। मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सरवन जीत सिंह ने कहा कि समाज व देश के सृजन में युवकों की भूमिका अहम है। इस मौके पर सुरिंदर सिंह, संदीप कौर, रोबिनजीत सिंह, अनिल, सुनील, सतनाम सिंह, प्रितपाल सिंह, पीटर मसीह, जनतार सिंह, रमनदीप कौर, हरविंदर कौर, मनप्रीत कौर, गुरमनप्रीत कौर आदि मौजूद थे।

# AMRITSAR Tribune

## Students from tribal areas in awe of city, will tour border villages

NEHA SAINI

TRIBUNE NEWS SERVICE

AMRITSAR, FEBRUARY 9

Chunni Lal Patra, 23, is studying for MSc final year and he travels 30 km every day from his village Kanda, on foot or on cycle on a lucky day, to reach his college. The youngster hailing from one of the Naxal-hit areas in Chhattisgarh, takes up odd jobs to earn some funds for his education as his family of six people finds it hard to survive on the meagre earnings through agriculture and hunting. But ask him his biggest achievement yet, and he replies smilingly, "Coming to Amritsar."

Patra is not the only one in awe of the city, but the 220 other youngsters, who have come from the areas infamous for Naxalites and a population largely surviving on hope, attending the 8th Tribal Youth Exchange Convention at Virsa Vihar here have the

same story to share. Travelling out of their villages for the first time, some have not even heard of Amritsar.

"I had never heard anything about Punjab or any other city outside my village. I never dreamt that I would be travelling alone so far away from home and speak to strangers," shared Rukmini, 20, class 12 student from Balod in Chhattisgarh. She was most excited about going to Golden Temple. "Knowing about the concept of langar, people from all walks of life having free food together, was something new to us. Back home, we cannot eat or even enter certain places due to caste division," she said.

A lot of things for these youngsters were new, like speaking in English and watching the retreat ceremony and eating Punjabi cuisine. Issues like poverty, hunger, caste discrimi-

nation, crime and Naxal movement have become a way of life for them. "Often we are asked to share our opinion on these problems, but we don't know much as we have never been given a chance to live a life minus these problems. We have to struggle to meet simplest of our needs like food, education, health and programmes like these help us to get familiar with situations outside ours," says Chunni Lal. The group will be touring villages in coming days to experience the local culture. They will be going to youth clubs, rural community and self-help centres to know about the development initiatives by the government.

Samson Masih from Nehru Yuva Kendra that is organising this convention says that the focus of the programme remains to give the students a sense of equality and safety.



Students of a Chhattisgarh school perform a dance at the 8th tribal youth exchange convention at Virsa Vihar in Amritsar on Tuesday. PHOTO: VISHAL KUMAR

"These children do not have a sense of equality as an extreme caste system is prevalent in the areas

they come from. They do not know their rights and due to illiteracy and poverty, are unable to cash

in on opportunities like employment and education. They are seeking progressive solution to the

problem through specialized programmes that focus on giving them more exposure."





ਨਹਿਰੂ ਯੂਵਾ ਕੇਂਦਰ ਵਿਰਸਾ ਵਿਹਾਰ ਵਿਖੇ ਕਰਵਾਏ ਜਾ ਰਹੇ 7 ਰੋਜ਼ਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੌਰਾਨ ਜੇਠੂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਨ ਉਪਰੰਤ ਸੁਨੀਲ ਬੋਰਪੇ, ਸੈਮਸਨ ਮਸੀਹ, ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਤੇ ਹੋਰ।

ਤਸਵੀਰ : ਹਰਜੀਤ ਸਿੰਘ

## ਨੌਜਵਾਨ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਗੀੜ੍ਹ ਦੀ ਹੱਡੀ ਹੁੰਦੇ-ਡੀ. ਆਈ. ਜੀ

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, 9 ਫਰਵਰੀ (ਸੁਰਿੰਦਰਪਾਲ ਸਿੰਘ ਵਰਪਾਲ)-ਨਹਿਰੂ ਯੂਵਾ ਕੇਂਦਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਯੂਵਾ ਮਾਮਲੇ ਤੋਂ ਖੇਡ ਮੰਤਰਾਲਾ ਅਤੇ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲੇ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸੈਮਸਨ ਮਸੀਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਯੂਥ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਕਰਵਾਏ ਅੱਠਵੇਂ ਆਦਿ ਵਾਸੀ ਯੂਵਾ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ 'ਚ ਪਹੁੰਚੇ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸੁਨੀਲ ਬੋਰਪੇ ਡੀ. ਆਈ. ਜੀ., ਸੀ. ਆਰ. ਪੀ. ਐੱਫ., ਜਲੰਧਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਆਦਿ

ਵਾਸੀ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵਿਕਸਿਤ ਹੋਣ ਲਈ ਆਪਣਾ ਟੀਚਾ ਮਿੱਥ ਕੇ ਮਿਹਨਤ ਤੇ ਹਿੰਮਤ ਨਾਲ ਅੱਗੇ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬੇਹਤਰੀ ਲਈ ਸਕਿੱਲ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਚਲਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸ਼ਕਤੀਕਰਨ ਕਰਕੇ ਦੇਸ਼ 'ਚ ਆਪਸੀ ਸਦਭਾਵ ਤੇ ਭਾਈਚਾਰੇ ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਮਜ਼ਬੂਤ ਅਤੇ ਵਿਕਸਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿਉਂਕਿ ਬਹੁਗਿਣਤੀ ਯੂਵਾ ਸ਼ਕਤੀ ਦੀ ਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹੀ ਦੇਸ਼

ਦੀ ਗੀੜ੍ਹ ਦੀ ਹੱਡੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਸਵਰਨਜੀਤ, ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਅਫਸਰ ਵਿਕਾਸ ਦੇਵ (ਜਲੰਧਰ), ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਅਫਸਰ ਸੰਦੀਪ ਕੌਰ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ), ਰੋਬਿਨਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਨਿਲ, ਸੁਨੀਲ ਕੁਮਾਰ, ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰਿੰਸਪਲ ਸਿੰਘ, ਪੀਟਰ ਮਸੀਹ, ਜਗਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਰਮਨਦੀਪ ਕੌਰ, ਹਰਵਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ, ਗੁਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਆਦਿ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਯੂਵਾ ਕੌਰ ਵਲੋਂ ਟੀਅਰ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ।

# ਪੰਜਾਬੀ ਜਾਗਰਣ

ਜਲੰਧਰ, 10 ਫਰਵਰੀ, 2016

## ਨੌਜਵਾਨ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਗੀੜ੍ਹ ਦੀ ਹੱਡੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ

**ਸਮਾਗਮ**  
ਕਿਹਾ, ਯੂਵਾ ਸ਼ਕਤੀ ਨੂੰ ਸਿੱਖਿਅਤ ਕਰਕੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਦੀ ਮੁੱਖ ਧਾਰਾ ਨਾਲ ਜੋੜਨ ਦੀ ਲੋੜ  
ਅੰਮ੍ਰਿਤਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ



ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੌਰਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥਣਾਂ ਨਾਲ ਸੀਆਰਪੀਐਫ ਦੇ ਡੀਆਈਜੀ ਸੁਨੀਲ ਬੋਰਪੇ ਅਤੇ ਹੋਰ।

ਨਹਿਰੂ ਯੂਵਾ ਕੇਂਦਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਯੂਵਾ ਮਾਮਲੇ ਤੋਂ ਖੇਡ ਮੰਤਰਾਲਾ ਅਤੇ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲੇ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸੈਮਸਨ ਮਸੀਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਯੂਥ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਆਯੋਜਿਤ ਅੱਠਵੇਂ ਆਦਿ ਵਾਸੀ ਯੂਵਾ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਮਿਤੀ 05 ਫਰਵਰੀ ਤੋਂ 12 ਫਰਵਰੀ ਤੱਕ ਚੱਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਵਿੱਚ ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ ਅਤੇ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ 221 ਨੌਜਵਾਨ ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ 39 ਨੌਜਵਾਨ ਭਾਗ ਲੈ ਰਹੇ ਹਨ।  
ਮੰਗਲਵਾਰ ਨੂੰ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ 'ਚ ਪਹੁੰਚੇ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਸੁਨੀਲ ਬੋਰਪੇ ਡੀਆਈਜੀ, ਸੀਆਰਪੀਐਫ ਜਲੰਧਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਆਦਿ ਵਾਸੀ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਵਿਕਸਿਤ ਹੋਣ ਲਈ ਆਪਣਾ ਟੀਚਾ ਮਿੱਥ ਕੇ ਮਿਹਨਤ ਤੇ ਹਿੰਮਤ ਨਾਲ ਅੱਗੇ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਵੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬੇਹਤਰੀ ਲਈ ਸਕਿੱਲ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਚਲਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸ਼ਕਤੀਕਰਨ ਕਰਕੇ ਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਆਪਸੀ ਸਦਭਾਵ ਅਤੇ ਭਾਈਚਾਰੇ ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ

ਹੋਰ ਵੀ ਮਜ਼ਬੂਤ ਅਤੇ ਵਿਕਸਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿਉਂਕਿ ਬਹੁਗਿਣਤੀ ਯੂਵਾ ਸ਼ਕਤੀ ਦੀ ਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਗੀੜ੍ਹ ਦੀ ਹੱਡੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਇਸ ਵਰਗ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਪਹਿਵ ਦੇ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਸਿਮੇਵਾਰੀ ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲਾ, ਨਹਿਰੂ ਯੂਵਾ ਕੇਂਦਰ ਸੰਗਠਨ ਯੂਵਾ ਮਾਮਲੇ ਅਤੇ ਖੇਡ ਮੰਤਰਾਲਾ, ਬੀਐਸਐਫ, ਸੀਆਰਪੀਐਫ, ਆਈਟੀਬੀਪੀ ਅਤੇ ਐਸਐਸਬੀ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਯੂਵਾ ਸ਼ਕਤੀ ਨੂੰ ਉਚੇਂਤ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਅਤ ਕਰਕੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਦੀ ਮੁੱਖ ਧਾਰਾ ਵਿੱਚ ਜੋੜਨਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਭਾਰਤ ਨੂੰ ਕਮਜ਼ੋਰ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਤਾਕਤਾਂ ਦਾ ਖਾਤਮਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ।  
ਸੈਮਸਨ ਮਸੀਹ ਨੇ ਟੀਮਾ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ

ਰਾਹੀ ਪੇਂਡੂ ਸੱਤਿਆਚਰਕ ਸਾਝਾ, ਹੈਰੀਟੇਜ ਸਥਾਨਾਂ ਦੀ ਯਾਤਰਾ ਰਾਹੀਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਅਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਦਾ ਪੂਰਾ ਸੋਕਾ ਮਿਲੇਗਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੋਂ ਡਾ. ਸਵਰਨਜੀਤ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਨੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਬਾਰੇ ਸੰਬੋਧਨ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਕਾਊਂਟੈਂਟ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਅਫਸਰ ਜਲੰਧਰ ਵਿਕਾਸ ਦੇਵ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਅਫਸਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸੰਦੀਪ ਕੌਰ, ਰੋਬਿਨਜੀਤ ਸਿੰਘ, ਅਨਿਲ, ਸੁਨੀਲ ਕੁਮਾਰ, ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰਿੰਸਪਲ ਸਿੰਘ, ਪੀਟਰ ਮਸੀਹ, ਜਗਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਰਮਨਦੀਪ ਕੌਰ, ਹਰਵਿੰਦਰ ਕੌਰ, ਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ, ਗੁਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਆਦਿ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਯੂਵਾ ਕੌਰ ਵਲੋਂ ਟੀਅਰ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ।





नेहरू युवा केंद्र के एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ प्रो. लक्ष्मीकांत चावला व अन्य।

## युवा संगठित हों तभी देश उन्नति करेगा : प्रो. चावला

जासं, अमृतसर : नेहरू युवा केंद्र द्वारा विरसा विहार में करवाए गए 'आठवां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम' के अवसर पर सोमवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो. लक्ष्मीकांत चावला ने युवाओं से कहा कि वे संगठित होकर देश की उन्नति में योगदान दें। युवा अपनी सकारात्मक सोच को अपनाकर सामूहिक शक्ति से काम करें। समाज में व्याप्त कन्या भ्रूण हत्या, नशा, दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ शंखनाद करें।

प्रो. चावला ने युवाओं से सवाल किया कि क्या वे खुदीराम बोस को जानते हैं? रामप्रकाश बिस्मिल, अशफाख-उल्ला खान जैसे साहसी क्रांतिवीरों को देश की युवा पीढ़ी क्यों भूलती जा रही है? याद रखें, जिस देश के युवा अपने शहीदों को विस्मृत करते हैं, वह देश अवनति

### • विरसा विहार में आठवां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

की ओर स्वतः ही अग्रसर हो जाता है। प्रो. चावला ने कहा कि नेहरू युवा केंद्र द्वारा करवाया गया यह कार्यक्रम युवा शक्ति को संगठित करने का बहिर्वा प्रयास है। इस अवसर पर यूथ कोऑर्डिनेटर सैमसन मसीह ने भी युवा शक्ति को पूरी शक्ति के साथ देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रो. बरिंदर पाल सिंह, डॉ. दिनेश शर्मा, सुरिंदर सिंह, विकास देव, संदीप कौर, रोबिन जीत सिंह, अनिल, सुनील कुमार, सतनाम सिंह, प्रिंस पाल सिंह, पीटर मसीह, जगतार सिंह, रमनदीप कौर आदि उपस्थित थे।

# cityscape

## The exchange of culture



RAGHAV SHIKARPURIA

BOYS AND GIRLS AGED BETWEEN 16 AND 25 YEARS HAVE COME ALL THE WAY FROM THEIR HOMES UNDER A PROGRAM BY THE YOUTH AFFAIRS AND SPORTS MINISTRY AND THE HOME MINISTRY OF THE CENTRAL GOVERNMENT TO LEARN ABOUT THE PUNJAB AND SHARE THEIR CULTURE WITH THE YOUTH OF PUNJAB

ing the folk dances of Punjab and at the same time try to teach 30 Punjabi youth their own folk dances.

"This is an opportunity for the youth from the tribal areas to come out and see the rest of the country and experience the diversity," said District Youth co-ordinator Samson Masih. "These children would generally not get the opportunity to come out of their areas and see the rest of the world and it is because of that that it is necessary that they are able to open their minds so that they can work on their own development," he added.

While the youth of the different states have a language barrier, the language of music, dance and the general sense of brotherhood has brought them close as they help each other learn and grow. The exchange program will go on till Friday.

PRIYANKA MICHELLE DAS

About 221 youth from the tribal areas of Jharkhand, Chhattisgarh and Orissa have been sipping on lassi, partaking of makki di roti

and saag and frolicking in the fields of Punjab. As a part of the 8th Tribal Youth Exchange program organised by Nehru Yuva Kendra at Amritsar, these youth are being given a peep into the life and ways of the people of Punjab. Boys and girls aged between 16 and

25 years have come all the way from their homes under a program by the Youth Affairs and Sports Ministry and the Home Ministry of the central government to learn about the state and share their culture with the youth of Punjab as they spend their stay learn-



# आदिवासींचा विकास व्हावा हाच प्रयत्न

## आदान-प्रदान महोत्सवाचे उद्घाटन : क्रीडा मंत्रालयाचे सचिव गुप्ता यांचे प्रतिपादन

तळेगाव-दाभाडे (मावळ), दि.१० (प्रतिनिधी) - शही लोकांच्या तुलनेत आदिवासी युवक शारीरिक व मानसिकदृष्ट्या सरस आहेत. त्यांच्या शक्ती सामर्थ्यास वाट करून देण्यासाठी आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमातून त्यांना विकासाच्या मुख्य प्रवाहात आणण्याचा प्रयत्न आहे. आपापल्या भागासाठी या युवकांनी काम केल्यास समस्यांतून मार्ग निघेल, असा विश्वास केंद्रीय क्रीडा मंत्रालयाचे सचिव राजीव गुप्ता (आयएसएस) यांनी व्यक्त केला.

तळेगाव-दाभाडे येथील आठव्या आदिवासी युवा आदान-प्रदान महोत्सवाचे उद्घाटन खासदार श्रीरंग बारणे यांच्या हस्ते झाले. त्यावेळी अध्यक्षस्थानावर गुप्ता बोलत होते. यावेळी सीआरपीएफचे उपमहानिदेशक आर. टी. परमहंस,

डीआयजी डॉ. डी. सी. डिमरी, नेहरू युवा केंद्राचे विभागीय संचालक उपेंद्र ठाकूर, सहसंचालक आनंद पांडे, सीआरपीएफ कमांडंट हरविंदर सिंग, डेप्युटी कमांडंट सचिन गायकवाड आणि समन्वयक यशवंत मानखेडकर आदी उपस्थित होते. झारखंड आणि ओडिशा राज्यांतील २०० आदिवासी युवक-युवतींना शहरी विकासाची माहिती व्हावी, कला आणि संस्कृतीची देवाण-घेवाण व्हावी आणि विकासाच्या मुख्य प्रवाहात येण्यासाठी त्यांना प्रशिक्षण मिळावे म्हणून हा कार्यक्रम आयोजित केला आहे. गुप्ता यांनी त्यावर भर देत या युवकांनी सरकार आणि आदिवासीमधील दूत म्हणून शक्तीचा वापर योग्य कामासाठी करण्याचे आवाहन केले. यावेळी परमहंस यांनी सीआरपीएफ बद्दल असलेले

छत्रपती शिवाजी महाराजांनी सर्व जाती-धर्माच्या लोकांना बरोबरीने घेऊन सुराज्य केले. केंद्र आणि राज्य सरकारने आदिवासींसाठी भरीव कामगिरी न केल्याने त्यांच्याबाबत नाराजी आहे. तरी सुद्धा आदिवासींनी एकजुटीने विकासाकडे वळले पाहिजे. आदिवासींतील कला व कौशल्यास पंतप्रधान कौशल्य विकास कार्यक्रमात समाविष्ट केल्यास आणि त्यासाठी बाजार पेट उपलब्ध करून दिल्यास त्यांचा आत्मविश्वास वाढेल. सक्षम नागरिक होण्यासाठी त्यांना प्रशिक्षण दिल्यास ते स्वतःच्या पायावर उभे राहू शकतील. युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आदिवासी युवकांना प्रेरणा देणारा आहे.

- श्रीरंग बारणे, खासदार, मावळ

गैरसमज दूर करून आदिवासींना दलात सेवा करण्यासाठी येण्याचे आवाहन केले. ते म्हणाले, देशातील आर्थिक, सामाजिक आणि सांस्कृतिक विसंगती असूनही केवळ भारतीय घटनेमुळे

आणण ती दूर करू शकू, असे ते म्हणाले. आदान-प्रदान सरख्या कार्यक्रमातून योग्य-अयोग्यमधील फरक समजून घेता येईल. सरकारच्या विकास कार्यक्रमास पुढे नेले पाहिजे. आदिवासींच्या



तळेगाव-दाभाडे : आठव्या आदिवासी युवा आदान-प्रदान महोत्सवाचे उद्घाटन करताना खासदार श्रीरंग बारणे. शेजारी राजीव गुप्ता, आर. टी. परमहंस, उपेंद्र ठाकूर, यशवंत मानखेडकर आदी.

वेदना मला माहित आहेत. तरीही मी अधिकारी झालो, तुम्ही प्रबल केल्यास मोठे अधिकारी होऊ शकाल. राष्ट्रीय युवा पुरस्कारार्थींचा सत्कारही यावेळी करण्यात आला.

प्रास्ताविक ठाकूर यांनी केले. स्वागत व सत्कार मानखेडकर यांनी केला. सुरसंचालन कांचन सावंत यांनी केले. आभार पांडे यांनी मानले.

पिंपरी-चिंचवड, बुधवार, १० फेब्रुवारी २०१६ । किंमत ₹ ४

# सकाळ

## एकजुटीने सुटतील 'नक्षल' भागातील समस्या राजीव गुप्ता यांचे प्रतिपादन; आदिवासी महोत्सवाचे उद्घाटन

तळेगाव स्टेशन, ता. १ : आदिवासी लोक शरीर व मनने शहरी लोकांपेक्षा श्रेष्ठ आहेत. त्यांना नागरी सुविधांचा कमीपणा असल्याने, त्यांनी आरण्या शक्तींचा योग्य वापर करून ती दूर करावी. सरकारने व आपण एकत्रितपणे काम केल्यास नक्षलप्रस्त भागातील समस्या सुधारण्यास मदत होईल, असे प्रतिपादन केंद्रीय क्रीडा मंत्रालयाचे सचिव राजीव गुप्ता यांनी केले.

नेहरू युवा केंद्र आणि सीआरपीएफकडे आठव्या आदिवासी युवा आदान-प्रदान महोत्सवाचे उद्घाटन तळेगाव येथील केंद्रीय राखीव पोलिस दलाच्या राखीव युवा व खासदार श्रीरंग बारणे यांच्या हस्ते



तळेगाव स्टेशन : येथील सीआरपीएफमध्ये आठव्या आदिवासी महोत्सवाचे उद्घाटन करताना राजीव गुप्ता, खासदार श्रीरंग बारणे व अन्य मान्यवर.

मंत्रालयाची झाले. त्या वेळी गुप्ता बोलत होते. डीआयजी डॉ. डी. सी. डिमरी, सीआरपीएफचे पोलीस उपमहानिरीक्षक आर. टी. परमहंस, नेहरू युवा केंद्राचे

आनंद पांडे, एच. एस. केळस, यशवंत मानखेडकर उपस्थित होते. महोत्सवात झारखंड राज्यातील चातरा, गबवा, गीर, बीह, लोहरा, सिंगभूम,

खुर्दिगी, दुमका या जिल्ह्यांतील १३० आणि ओडिशातील कोरपूत, मलकनगिरी, नावपरा या जिल्ह्यांतील ७० असे २०० युवकांनी सहभाग घेतला. सोमसारी (ता. १५) सकाळी अकरा वाजता राण्याचे कर्मचारी सुभारि मुगर्दीवार, गुरारण्यमंथी राम सिंहे, जिल्हाधिकारी सीतल राव आदींच्या उपस्थितीत समारंभ होणार आहे.

खासदार बारणे म्हणाले, 'केंद्र आणि राज्य सरकार आदिवासींमधील विकास योजना पोचविण्यास कमी पडले आहे. ती कमतरता दूर करण्यासाठी आदिवासींना मुख्य प्रवाहात आणण्याचे प्रयत्न करावे.' उल्लेख 'यांनी प्रास्ताविक केले. ए. आर. आरबाडे यांनी आभार मानले.



तळेगाव दाभाडे : येथील 'सीआरपीएफ'मध्ये आठव्या आदिवासी महोत्सवात आदिवासी युवकांनी बनविलेल्या वस्तूंची पाहणी करताना जयदीप गोविंद व अन्य मान्यवर.

## हिंसक प्रवृत्तींच्या नाशासाठी एकत्रित प्रयत्नांची गरज केंद्रीय गृहमंत्रालय सचिव गोविंद यांचे मत

तळेगाव स्टेशन, ता. १४ : नक्षलवाद व आतंकवादामुळे राष्ट्राच्या विकासात अडथळे निर्माण करण्याचे प्रयत्न होत आहेत. या हिंसक परिस्थितीचा आपल्याला सामना करायचा आहे. या प्रवृत्तींचा मुळापासून नाशनाट करण्यासाठी सर्वांनी एकत्रित प्रयत्न करण्याची गरज आहे, असे प्रतिपादन केंद्रीय गृहमंत्रालयाचे सचिव जयदीप गोविंद यांनी केले.

नेहरू युवा केंद्र आणि 'सीआरपीएफ'तर्फे आठव्या आदिवासी युवा आदान-प्रदान महोत्सवात 'मेक इन महाराष्ट्र' आदिवासी व ग्रामीण युवा निर्मिती कला व विक्री प्रदर्शनाचे उद्घाटन त्यांच्या हस्ते झाले. केंद्रीय पोलिस दलाचे उपमहानिरीक्षक आर.

टी. परमहंस, उपेंद्र ठाकूर, डीआयजी झा, डॉ. डी. सी. डिमरी उपस्थित होते. जयदीप म्हणाले, 'शांतताविषय विकास साधला जाऊ शकत नाही. सरकारच्या माध्यमातून नक्षलप्रभाव असलेल्या भागात रस्ते, मोबाईल टॉवर, आरोग्य शिक्षण अशा विविध प्रकारच्या सुविधा देण्याचे कार्य सुरू आहे.' परमहंस म्हणाले, 'सांस्कृतिक वैचारिक देवाण-घेवाणीमुळे परस्परांतील मतभेद दूर होण्यास मदत होते. चांगल्या विचारांना आत्मसात करून भारत निर्माणसाठी युवकांनी प्रयत्न करावे. महोत्सवात सहभागी झालेल्या आदिवासी युवक-युवतींना आपले गाव परिसरात लोकप्रिय बनवायची गरज आहे.'



## मावळ समृद्ध समाचार

पुणे । दि. १८ ते २४ फेब्रुवारी २०१६

आठवा आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

# शानदार आयोजन, दिग्गजांनी साधला थेट संवाद

आदिवासी युवक सरस : राजीव गुप्ता (आयएसएम)

**तळेगाव दाभाडे (मावळ) :** शहरी लोकांच्या तुलनेत आदिवासी युवक शारीरिक व मानसिकदृष्ट्या सरस आहेत. त्यांच्या शक्तिसामर्थ्यास वाट करून देण्यासाठी आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमातून त्यांना विकासाच्या मुख्य प्रवाहात आणण्याचा प्रयत्न आहे. आपापल्या भागासाठी या युवकांनी काम केल्यास समस्यांतून मार्ग मिळेल, असा विश्वास केंद्रिय क्रीडा मंत्रालयाचे सचिव राजीव गुप्ता(आयएसएम) यांनी मंगळवारी (दि.१) येथे केले.

आठव्या आदिवासी युवा आदान-प्रदान महोत्सवाचे उद्घाटन खासदार श्रीरंग बारणे यांच्या हस्ते झाले. त्यावेळी अध्यक्षस्थानावरून गुप्ता बोलत होते. यावेळी सीआरपीएफचे उपमहानिदेशक आर.टी. परमहंस, डीआयजी डॉ. डी.सी. डिमरी, नेहरू युवा केंद्राचे विभागीय संचालक उर्षे ठाकूर, सहसंचालक आनंद पांडे, सीआरपीएफ कमांडंट हर्षिंदर सिंग, डेप्युटी कमांडंट सचिन गायकवाड आणि समन्वयक यशवंत मानखेडकर आदी

उपस्थित होते. झारखंड आणि ओडिशा राज्यातील 200 आदिवासी युवक युवतींना शहरी विकासाची माहिती व्हावी, कला आणि संस्कृतीची देवाण-घेवाण व्हावी आणि विकासाच्या मुख्य प्रवाहात येण्यासाठी त्यांना प्रशिक्षण मिळावे म्हणून हा कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला आहे. गुप्ता यांनी त्यावर भर देत या युवकांनी सरकार आणि आदिवासीमधील दूत म्हणून शक्तीचा वापर योग्यकामासाठी करण्याचे आवाहन केले. खासदार बारणे म्हणाले, "छत्रपती शिवाजी महाराजांनी सर्व जातिधर्माच्या लोकांना बरोबरीने घेऊन सुराज्य केले. केंद्र आणि राज्य सरकार शासनकर्त्यांनी आदिवासींसाठी भरीव कामगिरी न केल्याने त्यांच्याबाबत नाराजी आहे. तरी सुद्धा आदिवासींनी एकजूटीने विकासाकडे वळले पाहिजे. आदिवासींच्यातील कला कौशल्यास पंतप्रधान कौशल्य विकास कार्यक्रमात समाविष्ट केल्यास आणि त्यासाठी बाजारपेठ उपलब्ध करून दिल्यास त्यांचा आत्मविश्वास वाढेल. सक्षम

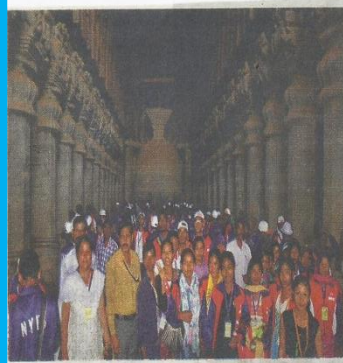


आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमाचे उद्घाटन करताना खासदार बारणे, सचिव गुप्ता, उर्षे ठाकूर, आर. टी. परमहंस आणि यशवंत मानखेडकर

नागरिक होण्यासाठी त्यांना प्रशिक्षण दिल्यास ते स्वतःच्या पायावर उभे राहू शकतील. युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आदिवासी युवकांना प्रेरणा देणारा आहे." यावेळी परमहंस यांनी सीआरपीएफ बद्दल असलेले गैरसमज दूर करून आदिवासींना दलात सेवा करण्यासाठी येण्याचे आवाहन केले. ते म्हणाले,

"देशातील आर्थिक, सामाजिक आणि सांस्कृतिक विसंगती असूनही केवळ भारतीय घटनेमुळे आपण ती दूर करू शकू, असे ते म्हणाले. आदान-प्रदान सारख्या कार्यक्रमातून योग्य-अयोग्यमधील फरक समजून घेता येईल. सरकारच्या विकास कार्यक्रमास पुढे नेले पाहिजे. आदिवासींच्या वेदना मला माहित आहेत. तरीही मी अधिकारी

झालो, तुम्ही प्रयत्न केल्यास मोठे अधिकारी होऊ शकाल." राष्ट्रीय युवा पुरस्कारार्थींचा सत्कारही यावेळी करण्यात आला. प्रास्ताविक ठाकूर यांनी केले. स्वागत व सत्कार मानखेडकर यांनी केला. सूत्रसंचालन कांचन सावंत यांनी केले. आभार पांडे यांनी मानले.



## युवकांना विकासाची दिशा देण्यात नेहरू युवा केंद्र अग्रेसर - कृष्णप्रकाश



तळेगाव दाभाडे- सर्वाधिक युवा लोकसंख्या असलेल्या भारतातील युवावर्गास योग्य दिशा देण्याची गरज आहे. त्यादृष्टीने नेहरू युवा केंद्र करीत असलेले कार्यात युवकांनी सहभागी होत राष्ट्रविकासात योगदान द्यावे, असे आवाहन मुंबईचे अतिरिक्त पोलीस महानिरीक्षक कृष्णप्रकाश यांनी केले. नेहरू युवा केंद्र पुणे आणि सीआरपीएफतर्फे आयोजित आठव्या राष्ट्रीय आदिवासी युवा आदान-प्रदान

कार्यक्रमात झारखंड आणि ओडिशातील युवक-युवतींना मार्गदर्शन करताना ते बोलत होते. यावेळी डीआयजीपी आर.टी. परमहंस, नेहरू युवा केंद्राचे मंडळ निदेशक उर्षे ठाकूर, उपनिदेशक ए.आर.पाण्डे, डेप्युटी कमांडंट सचिन गायकवाड, जिल्हा समन्वयक यशवंत मानखेडकर उपस्थित होते. आदिवासींना देशाच्या मुख्य प्रवाहात आणण्यासाठी त्यांचा आत्मविश्वास आदान-प्रदान कार्यक्रमातून वाढेल

असा विश्वास देत कृष्णप्रकाश पुढे म्हणाले, "विविध धर्म, पंथ, भाषा आणि रूढी-परंपरा असलेल्या देशवासियांमध्ये उच्च विचार, एकमेकांप्रती सदभावना आणि आदरवृक्त आचाराची भावना रुजवण्यास सर्वांचा विकास होईल. भारतीय संविधानाने सर्वांना एकसमान अधिकार दिले आहेत. आपापल्या कर्तव्यास जाणून सर्वांनी एकजूटीने काम केल्यास राष्ट्रनिर्मितीचे कार्य सफल होईल." यावेळी कोल्हापूर जिल्हा समन्वयक हिरेंद्र वैद्य, चंद्रपूरच्या जमुना डांगवकर, नाशिकचे भावान गवई, अहमदनगरचे हरीश ठाकूर, बुलढापण्याचे अजयसिंग राजपूत, वाशिमचे मदन घेघाटे, सिंधुदुर्गाच्या अपेक्षा माजोकर यांनी चर्चासत्राचे संयोजन केले. आग्रणी चव्हाण, शिवा पाटोले, उमेश पवार, रामदास पवार, रूपाली बोंडकर, देवेंद्र इब्रा, सुखदेव सुर्वे यांनी त्यांना सहकार्य केले.





तळेगाव स्टेशन (ता. मावळ) : सीआरपीएफमध्ये आठव्या आदिवासी महोत्सवात युवकांना मार्गदर्शन करताना अतिरिक्त पोलीस महासंचालक कृष्ण प्रकाश.

## राष्ट्रनिर्मितीत युवकांचा सहभाग महत्त्वाचा

कृष्ण प्रकाश यांचे मत; आदिवासी आदान-प्रदान महोत्सव

तळेगाव स्टेशन, ता. १३ : असलेल्या आपल्या देशात उच्च विचार, आचार एकमेकांशी आदर, सन्मान, सद्भावना मनामनात रुजली पाहिजे. दुरु प्रवृत्ती व संकुचित विचारांच्या विरोधात एकजूट होऊन शांततेच्या मार्गाने प्रतिकार केला पाहिजे. भारतीय संविधानाने आपल्याला मौलिक अधिकार व कर्तव्य दिलेली आहेत. सर्वांना एकसमान अधिकार आहे. एकमेकाला मदतीचा हात देऊन सोबत घेऊन सर्वांगीण विकासासाठी युवकांनी पुढाकार घ्यावा. नेहरू युवा केंद्राच्या माध्यमातून समाजातील सर्व स्तरातील लोकांना राष्ट्रीय विकास प्रवाहामध्ये आणण्याचे महत्त्वपूर्ण कार्य केले जात आहे."

आवाहन अतिरिक्त पोलीस महासंचालक कृष्ण प्रकाश यांनी केले. नेहरू युवा केंद्र आणि सीआरपीएफतर्फे आठव्या आदिवासी युवा आदान-प्रदान महोत्सवात मार्गदर्शन करताना ते बोलत होते. या वेळी केंद्रीय रिझर्व्ह पोलीस दलाचे पोलीस उपमहानिरीक्षक आर. टी. परमहंस, हिंदोब वैद्य, उपेंद्र ठाकूर, ए. आर. पांडे, यशवंत मानखेडकर आदी उपस्थित होते.

कृष्ण प्रकाश म्हणाले, "विविध धर्म, पंथ, भाषा, परंपरा, रूढी

असलेल्या आपल्या देशात उच्च विचार, आचार एकमेकांशी आदर, सन्मान, सद्भावना मनामनात रुजली पाहिजे. दुरु प्रवृत्ती व संकुचित विचारांच्या विरोधात एकजूट होऊन शांततेच्या मार्गाने प्रतिकार केला पाहिजे. भारतीय संविधानाने आपल्याला मौलिक अधिकार व कर्तव्य दिलेली आहेत. सर्वांना एकसमान अधिकार आहे. एकमेकाला मदतीचा हात देऊन सोबत घेऊन सर्वांगीण विकासासाठी युवकांनी पुढाकार घ्यावा. नेहरू युवा केंद्राच्या माध्यमातून समाजातील सर्व स्तरातील लोकांना राष्ट्रीय विकास प्रवाहामध्ये आणण्याचे महत्त्वपूर्ण कार्य केले जात आहे."

मानखेडकर यांनी प्रास्ताविक केले. उपेंद्र ठाकूर यांनी आभार मानले.

शेखर परेला : तळेगाव सीआरपीएफ केंद्रात आदान-प्रदान कार्यक्रमाचा समारोप

# एकात्मता रुजविण्याचा प्रयत्न

तळेगाव स्टेशन : विविधतेत सामाजिक एकात्मता रुजविण्यासाठी सध्याचे केंद्र शासन अनेक कार्यक्रमांच्या माध्यमातून सदा प्रयत्नशील आहे. शहर आणि आदिवासी भागांमधील सांस्कृतिक आदान-प्रदानाच्या माध्यमातून देशविकास घडविणे, हेच या प्रकारच्या कार्यक्रमांचे उद्दिष्ट असल्याचे प्रतिपादन नेहरू युवा केंद्राचे उपाध्यक्ष शेखर राव परेला यांनी केले.

तळेगाव दामाडे येथील केंद्रीय राष्ट्रीय पोलीस दलाच्या केंद्रामध्ये नेहरू युवा केंद्र आणि सीआरपीएफचा संयुक्त विद्यमाने ८वा आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमाचा समारोपप्रसंगी परेला बोलत होते.

परेला म्हणाले की, व्यक्तिमत्त्व हीच आपली ओळख असून, या कार्यक्रमात सहभागी युवकांनी आपापल्या भागातील विकासासाठी भरीव योगदान देण्याची गरज आहे. पंतप्रधान नरेंद्र मोदींच्या घोषणेनुसार भारतातर्षातील यौज नसलेल्या सुमारे १८,५०० वीज पोहोचविण्याचे काम चालू असून, गेल्या ३ महिन्यांत ८५०० गावे विजेच्या प्रकाशात आली आहेत. त्याचप्रमाणे डिजिटल इंडियाच्या माध्यमातून लाखो खेडी हायस्पीड इंटरनेटद्वारे जोडण्याचे काम प्रगतिपथावर आहे.



तळेगाव येथील समारोपप्रसंगी शनिवारी बोलताना नेहरू युवा केंद्राचे उपाध्यक्ष शेखर राव परेला

या प्रसंगी नेहरू युवा केंद्राच्या शरीत मंडळ सदस्य राणी निघोट द्विवेदी या म्हणाल्या की, नक्षलप्रस्त भागातील युवकांनी नक्षली चळवळ संपविण्यासाठी प्रयत्नशील राहावे. किमान दहावीपर्यंत शिक्षण घेतल्यास केंद्रीय राष्ट्रीय पोलीस दलाचे दरवाजे त्यांच्यासाठी सदा खुले आहेत. महाराष्ट्रातील गाडचिरोली जिल्ह्याच्या घातीवर नेहरू युवा केंद्राच्या माध्यमातून रोजगाराभिमुख प्रशिक्षणासाठी कौशल्य विकास केंद्रे स्थापित करण्यासाठी केंद्र शासन व्यापक

प्रदर्शन : आदिवासी युवकांच्या वस्तूची विक्री

नक्षलवाद आणि दहशतवादाद्वारे राष्ट्रविकासात अडवळे निर्माण करण्याचे प्रयत्न होत असून, त्यांचा सामना करून हिसक प्रवृत्तीचा नायनाट करण्यासाठी एकत्रित प्रयत्नांची गरज असल्याचे मत केंद्रीय गृह मंत्रालयाचे सचिव जयदीप गोविंद यांनी रविवारी व्यक्त केले. नेहरू युवा केंद्राच्या सहकार्याने आयोजित कार्यक्रमांतर्गत 'भेक इन महाराष्ट्र' या आदिवासी ग्रामीण स्वयानिर्मित विविध वस्तूंच्या विक्री प्रदर्शनाच्या उद्घाटन प्रसंगी शनिवारी गोविंद बोलत होते.

ते म्हणाले की, शांततेशिवाय विकास साधना जाऊ शकत नाही. सरकारच्या विविध योजनांच्या माध्यमातून नक्षल प्रभावित भागांमध्ये आरोग्य, शिक्षण, रस्ते, मोबाइल टॉवर आदी पोषाभूत सुविधा देण्याचे काम सुरू आहे. आदान-प्रदान कार्यक्रमात सहभागी युवक-युवतींनी येथून शिबोरी घेऊन आपापल्या भागात जाऊन जनजागृतीद्वारे विकासाची ज्योत तेवत ठेवण्यासाठी पुढाकार घ्यावा. तळेगाव सीआरपीएफ पोलीस उपमहानिरीक्षक रामतीर्थ परमहंस म्हणाले की, सांस्कृतिक आणि वैचारिक देवाणघेवाणीमुळे परस्परांतील मतभेद दूर होतात. युवकांनी चांगले विचार आत्मसात करून राष्ट्रविकासात सहभागी व्हावे.

कार्यक्रम राबवत आहे. आदिवासी या नक्षलप्रस्त भागातील युवकांनी गाव सोडून बाहेर न जाता आंदोलनाच्या माध्यमातून दबावगत निर्माण करून विकास योजना राबवाव्यात. स्वतःहात बदल घडवून स्वतंत्रत्व तयार करावे. कुणापुढेही हातून पसरता आत्मशक्ती ओळखून प्रयत्नशील राहावे. दुर्गम भागात राहणाऱ्या देशातील ३० टक्के युवकांना शिक्षण देणे गरजेचे आहे.

माजी आमदार कृष्णराव भेगडे यांनी युवकवांगाला रोजगार देण्यासाठी

विविध औद्योगिक आस्थापनांच्या सहकार्याने कसे प्रयत्न केले जाऊ शकतात, याचे उदाहरण दिले. तळेगाव सीआरपीएफ पोलीस उपमहानिरीक्षक रामतीर्थ परमहंस, सहभागी युवती मीना बाळके यांनीही विचार व्यक्त केले. डीआयजी झा, कमांडंट हरविंदर सिंग, सचिव गायकबाड, समादेशक एचएस कालस, झारखंड, ओडिसातील युवक उपस्थित होते. सूत्रसंचालन कांचन सावंत यांनी केले. यशवंत मानखेडकर यांनी आभार मानले. (वाहतूर)



तळेगाव दामाडे (मावळ), दि. १५- आदिवासींनी रोजगाराच्या शोधात शहराकडे येण्याऐवजी गावात गहूच विकास कार्याचा संकल्प करावा. त्यासाठी शिक्षण आणि कुशलता विकासाचे प्रशिक्षण प्राप्त करून युवाशक्तीवृक्ष आंदोलन उभे करावे, असे आवाहन युवा केंद्र व क्रीडा मंत्रालयाच्या नेहरू युवा केंद्राच्या निमामक मंडळ सदस्या राणी निघोट-द्विवेदी यांनी सोमवारी (दि. १५) येथे केले. केंद्रीय गृह मंत्रालय, क्रीडा मंत्रालय, नेहरू युवा केंद्र आणि सीआरपीएफ यांच्या संयुक्तने आयोजित आठव्या राष्ट्रीय आदिवासी आदान-प्रदान कार्यक्रमाच्या समारोप प्रसंगी त्या बोलत होत्या. अध्यक्षस्थानी नेहरू युवा केंद्राचे उपाध्यक्ष शेखर परेला होते. समारोपस माली आमदार कृष्णराव भेगडे, डीआयजी रामतीर्थ परमहंस, उपेंद्र ठाकूर, एच.एस. कालस, अण्णा बोर्डे, हरविंदर सिंग आणि समन्वक यशवंत मानखेडकर उपस्थित

## आदिवासींनी उभे करावे युवाशक्ति आंदोलन - राणी निघोट

आदिवासी आदान-प्रदान कार्यक्रमाचा समारोप

शेखर परेला यांचे युवकांना मार्गदर्शन

हेले. राणी निघोट यांनी आरखंड, ओडिसातील आदिवासी युवा-युवतींचा आत्मविश्वास वाढवण्यासाठी आत्मविश्वास केंद्रात सांगितले की, सरकारने मागासलेल्या आणि वे करू शकता ते ग्रहणवासी युवक करू शकत नाहीत. खेळत करीअर कायचे असेल तर किमान दहावीपर्यंत शिक्षण घेतलेच पाहिजे. शेती आणि रोजगाराच्या संधींना मोठा आवाम देण्यासाठी पंतप्रधानांनी जाहीर केलेल्या कुशलता विकास योजनेचा ताप घ्यावा. त्यासाठी केंद्राचे मार्गदर्शन व प्रशिक्षण देण्यात येईल. नक्षलवादामुळे सुटून, असा विकास व्यक्त करून रामी निघोट यांनी आदिवासी युवकांनी न्याय द्यायचे दूर करून आत्मविश्वासने गावचा विकास युवा मंडळातून करण्याचे आवाहन केले.

भेगडे यांनी आदिवासींच्या समस्यांचे क्राय प्रथम करताना सांगितले की, विकासाच्या अभावामुळे समस्या जटील होत गेल्या आहेत. नूतन संस्था आणि आनंद युवाकेंद्र नक्षलप्रस्त आदिवासींसाठी आरक्षणाची सोब असल्यास त्यांना तंत्रशिक्षण, कुशलता विकासाचे प्रशिक्षण देण्यास सहकार्य करू.

पत्र विद्यार्थ्यांना नेकरीसाठीही संधी उपलब्ध करून दिली जाईल. अर्थव्यय परेला यांनी आदान-प्रदान कार्यक्रमाचे उद्दिष्ट स्पष्ट करत सांगितले की, सरकारने मागासलेल्या क्षेत्रांच्या विकासासाठी तेथील लोकांच्या व्यक्तिमत्त्व विकासाची संधी दिली आहे. परिक्षेतील गुणांपेक्षाही व्यक्तिमत्त्वानी भूमिका महत्त्वाची आहे. आपल्या परिमाणाचे विक्रम हेच आपले उरदाविच आहे. त्यासाठी चांगले विचार मनात ठेवून गावाचा विकास साधवा.

परमहंस यांनी युवकांना लोकाशाही प्रक्रियेत सहभागी होण्याचे आवाहन केले. आदिवासींनी योग्य लोकप्रतिनिधीची निवड केल्यास अनेक प्रश्न सरकाराी योजनेच्या माध्यमातून सुटतील, असा विश्वासही त्यांनी व्यक्त केला. युवकांनी आदिवासी युवक प्रतिनिधी मौर्य बासकी, निलिमा तोडके, शिरि, उपेंद्र रवई, आर्दींनी त्यांच्या अनुभवांवर मनोभंगे व्यक्त केली. उपेंद्र ठाकूर यांनी आठव्या आदान-प्रदान कार्यक्रमाचा आढावा घेतला. सूत्रसंचालन कांचन सावंत यांनी केले. आभार पत्रात मानखेडकर यांनी मानले.



## A Grand Success of 8TH TRIBAL YOUTH EXCHANGE PROGRAMME, 2016, PUNE

Nehru Yuva Kendra Sangathan organized 8th Tribal Youth Exchange Programme at Talegaon Dabhade, Pune (M.S.) between 9th to 14th February, 2016 in which 200 tribal youths of 16 selected districts from Orissa & Jharkhand, were invited to take part in the programme. Participants received grand welcome a day before in the campus of CRPF, Talegaon Dabhade, Pune.

The programme was launched on 9th February, 2016 at Talegaon, Pune by Hon. Member of Parliament Mr. Shrirang Barne, where Hon. Vice President of NYKS Mr. Rajiv Gupta (IAS) presence as the chairperson of the opening ceremony encouraged all participants & organizers. His speech was promising and full of positive attitude to increase the confidence of Aadiwasi Youths. When he said, "Aadiwasi have more physical & mental qualities than the urban youths.", all have given clapping ovation. It was a great start of the 8<sup>th</sup> Tribal Youth Exchange Programme.

Along with the Mr. Shrirang Barne (MP), Mr. R.T. Paramhans (DIGP, CRPF), Mr. D.S. Dimari (DIGP, Medical), Mr. Upendra Thakur (Divisional Director, NYKS), Mr. Anand Pandye (Dy. Director, NYKS), Commandant Harvinder Singh and Dy. Commandant Sachin Gaikwad were on the stage.

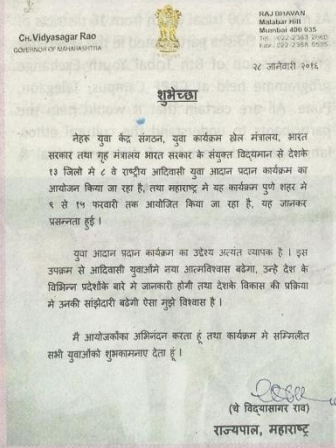
Mr. Yashwant Mankhedkar, Coordinator of NYKS, mentioned the objective of the 8<sup>th</sup> Youth Exchange Programme. He said, to bring Aadiwasi youths in the main stream of the development of the Nation, through various activities planned for 7 days programme. To provide an opportunity to the tribal youth, visits to different places of the area to understand the cultural ethos, language, life styles, developmental



activities, educational avenues, employment opportunities, to see historical & cultural monuments and to have leisure activities to merge into the main stream of the development of the NATION.

Nehru Yuva Kendra Sangathan and CRPF jointly organized the 8th Tribal Youth Exchange Programme from

9th February, 2016 to upcoming seven days successfully. Here a total number of 200 tribal youths including male and female participated in the programme. Visit to famous places of ancient Bhaje & Karla caves, historical fort of 16<sup>th</sup> centuries and cultural importance, Science Park at PCMC, meetings with important public dignitaries, experience sharing, group discussions were the main activities performed. In addition to this, the logical discussions on the issues relating to problems of tribal areas, Skill development & employment generation and development of tribal youth, career guidance and counseling with reference to different career opportunities presented to the youths and assessment of training needs of participants under the Prime Minister's Skill Development Mission were carried out successfully.



www.esakal.com
SakalNews
Call Centre : 9225800800
@esakalupdate

# बंदुकीऐवजी त्यांनी अनुभवले विज्ञान

## झारखंड, ओडिशाच्या नक्षलग्रस्त भागातील विद्यार्थ्यांची विज्ञान केंद्राला भेट

**आशादायक**

पिंपरी, ना. १२ : पिंपरी-चिंचवड विज्ञान केंद्रात शहरात विद्यार्थ्यां, युवकांचा नेहमीच भाऊदादा पाहण्या मिळते. पण आजच (ता. १२) दिवस केवळ तुरेने वेळ्या ठरला. झारखंड, ओडिशातील शेत नक्षलग्रस्त भागातील विद्यार्थ्यांनी येथील वैज्ञानिक उपकरणांचा आनंद घेतला.

केंद्रातील चारही प्रदर्शन केंद्रे पाहण्यात हे विद्यार्थी अकरा-हक्कनगळे होते. किचकट असे विज्ञान सहसंस्था पद्धतीने यमनू भेटा आल्यावर आपल्याकडच्या चह्यावर आनंद आणि आश्चर्य या दोन्हीच मिसर होतो.

पिंपरी-चिंचवड शहराविकासाचा वेगही अधिक आहे. आनंद-प्रद नक्षलग्रस्त हतां भेता आहे. त्याद्वारे झारखंडमधील सात आणि ओडिशातील तीन विज्ञान केंद्रांमध्ये दिसणे विद्यार्थ्यांना आणणे आहे. पिंपरी-चिंचवड शहर भेटणे विद्यार्थ्यांना आणणे आहे. पिंपरी-चिंचवड शहर भेटणे विद्यार्थ्यांना आणणे आहे. पिंपरी-चिंचवड शहर भेटणे विद्यार्थ्यांना आणणे आहे.



# आदिवासी युवकांचा गौरव

म. टा. प्रतिनिधी, हडपसर

'आदिवासी युवकांनी शिक्षण घेऊन सरकारच्या विविध योजनांचा लाभ घेऊन आपला स्वतःचा विकास व आपल्या परिसराचा विकास करावा. आपले गाव सोडून शहराकडे येण्यापेक्षा आपल्या गावाचा विकास करून युवा नेतृत्व निर्माण करावे,' असे भारत सरकार नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम आणि क्रीडा मंत्रालयाचे उपाध्यक्ष शेखरराव परेला यांनी तळेगाव सीआरपीएफ येथे मत व्यक्त केले.

तळेगाव सीआरपीएफ कॅम्पस येथे आठवा राष्ट्रीय आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमाच्या समारोप भाषणात परेला बोलत होते. या वेळी नेहरू युवा केंद्राच्या नवी दिल्लीच्या सदस्या राणी द्विवेदी, पोलिस उपमहानिरीक्षक आर. टी. परमहंस, जिल्हा समन्वयक यशवंत मानखेडकर, तळेगावचे माजी आमदार कृष्णराव भेंगडे उपस्थित होते.

राणी द्विवेदी म्हणाल्या, 'आदिवासी भागातील युवकांचा विकास साधण्यासाठी त्यांना पोलिस क्षेत्रात भरती करून मुख्य



राष्ट्रीय आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमात सहभागी झालेल्या युवकांना प्रमाणपत्र आणि सन्मानचिन्ह देऊन गौरविण्यात आले.

प्रवाहात आणता येईल. त्यामुळे एका पाठोपाठ आदिवासी युवकांमध्ये मोठ्या प्रमाणात विकास होईल. त्याचबरोबर या शिबिरातून २०० आदिवासी युवकांना संधी उपलब्ध करून देण्याचा प्रस्ताव आद्योगिक कंपनीद्वारे देण्यात आला आहे. या वेळी आदिवासी युवकांनी आपले मनोगत व्यक्त

करताना आदिवासी युवकांनी दहा दिवसाचे शिबिर असावे, अशी मागणी केली व या शिबिराद्वारे समाधान व्यक्त केले. नेहरू युवा केंद्राच्या वतीने सर्व सहभागी झारखंड व ओडिशा राज्यातील २५० युवकांना प्रमाणपत्र व प्रत्येक जिल्ह्याप्रमाणे सन्मानचिन्ह देऊन गौरविण्यात आले.



## काश्मिरी युवकांची सीआरपीएफला भेट

तळेगाव दाभाडे-

सीआरपीएफ अधिका-यांनी आमचे सहृदय स्वागत केले आणि आमच्याशी हितगुज केल्याने त्यांच्याबद्दल असलेले गैरसमज दूर झाले. काश्मिर घाटीतील लोकांच्या संरक्षणासाठी जवान करीत असलेल्या सेवेला आमचा सलाम आहे. अशी उत्फुल्ल प्रतिस्त्रीया पुणे भेटीवर आलेल्या काश्मिर खो-यातील युवकांनी व्यक्त केली. केंद्रिय गृहमंत्रालयाने हाती घेतलेल्या अपना वतन प्रकल्पांतर्गत काश्मिर खो-यातील युवकांना भारत कळावा म्हणून भारत देशाच्या दौ-यावर असलेल्या 25 युवकांचे उद्या बुधवारी येथील केंद्रिय राखीव पोलीस दल केंद्रात आगमन झाले.

सीआरपीएफचे उपमहानिदेशक आर. टी. परमहंस आणि डेप्युटी कमांडंट पुरुषोत्तम कुमार यांनी त्यांचे स्वागत केले. आर.टी. परमहंस आणि वरिष्ठ अधिका-यांनी त्यांच्याशी संवाद साधला. सीआरपीएफ ही त्यांच्या संरक्षणासाठी कार्यरत असून दलाचे काम कसे चालते याचीही ओळख करून देण्यात आली. परिसरातील आंबी व्हॅली, बौध्दकालीन लेणी, शिवकालीन किळे, मंदिरे अशा प्राचिन स्थळांना ते भेट दिली. युवकांनी अधिका-यांसमवेत वृक्षारोपण केले. सायंकाळी सहा वाजता महाराष्ट्र संस्कृति आणि काश्मिरी लोककलांचा मित्राफ असलेल्या संगीत रजनीने काश्मिरी युवक हरकून गेले. त्यानंतर स्नेहभोजन आणि गप्पांच्या मैफलीने जवानांबरोबर हे युवकही दिलखुलासपणे सामिल झाले. अशी माहिती पुरुषोत्तम कुमार यांनी दिली.



## जनजातीय वाराणसी-वार्ता

3 वाराणसी, शनिवार, 27 फरवरी, 2016

### जनजातीय युवाओं के लिए रोजगार की दी जानकारी

नेहरू युवा केन्द्र संगठन के 8वें जनजातीय आदान-प्रदान कार्यक्रम का दूसरा दिन



पटेल धर्मशाला में आयोजित सम्मेलन में बोलते अतिथि।

वाराणसी। नेहरू युवा केन्द्र संगठन के तत्वावधान में 8वां जनजातीय आदान-प्रदान कार्यक्रम के दूसरे दिन जनजातीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पर तमाम विकल्पों की जानकारी डा0 पीएन झा ने दी। गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से सरदार बल्लभ भाई पटेल अतिथि आवास में संचालित 7 दिवसीय जनजातीय आदान प्रदान कार्यक्रम के दूसरे दिन जनजातीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर विषय पर डा0

पीएन झा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जन जाति समाज अपने पारम्परिक सामग्रियों, महुआ के औषधीय उपयोगों, जंगलों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध औषधीय पौधों आदि के सृजन, संवर्धन, संरक्षण एवं उनके व्यवसायिक वितरण के माध्यम से जनजातीय युवा समाज को ढेरों रोजगार की सम्भावनाएँ हैं। प्रभागीय उपबनाधिकारी डी0 एन0 सिंह ने जनजातीय मुद्दों एवं जनजातीय क्षेत्रों की समस्याओं तथा रोजगार सृजन की

सम्भावनाओं पर जानकारी दी। भारतीय प्रतिभूति विकास बोर्ड सेबी के वित्तीय परामर्शदाता अनिल नारायण दुबे ने वित्तीय प्रावधानों की जानकारियाँ दी। इनके अतिरिक्त नेहरू युवा केन्द्र के स्वयंसेवक राजमणि सिंह, चन्दन वर्मा, नन्द किशोर, मनीष तिवारी, साधो प्रसाद, राम वर्मा, पवन आदि सहयोग में लगे रहें। कार्यक्रम का संचालन रामचन्द्र मोर्य, उदयभान सिंह, के एल पथिक आदि के साथ जिला युवा समन्वयक अनिल कुमार चतुर्वेदी एवं उपनिदेशक कमलेश नारायण दुबे ने किया।

### राष्ट्र निर्माण के लिए करें हमेशा कर्तव्यों का पालन

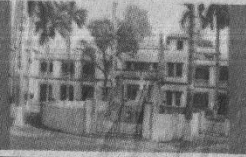
वाराणसी : प्राकृतिक संसाधनों का धनी होने के बाद भी झारखंड व उड़ीसा की जनजातियाँ पिछड़ी हुई हैं। शिक्षा और कौशल को महत्व देकर यहाँ के युवा समाज की मुख्य धारा से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग दें। ये बातें गुरुवार को नेहरू युवा केन्द्र संगठन वाराणसी की ओर से सरदार बल्लभ भाई पटेल अतिथि भवन के सभागार में आठवें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मंडलायुक्त नितिन रमेश मोकर्ण ने कही। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय कार्यक्रम में युवाओं को देश की

- जनजातियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सात दिवसीय कार्यक्रम शुरू
- दो राज्यों के नौ जनपदों से आए हैं कुल 200 प्रतिभागी

अध्यक्षता करते हुए महापौर राम गोपाल मोहले ने कहा कि जनजातीय समाज भारत की गौरवशाली जातियों में से एक रही है।

इस सात दिवसीय कार्यक्रम में झारखंड व उड़ीसा के नौ जनपदों के कुल 200 प्रतिभागी व सीआरपीएफ,





## राष्ट्र निर्माण में जुटें युवा : एसके भगत

वाराणसी (एसएनबी)। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) एसके भगत ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान यादों की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विविधता में एकता और जीवन शैली में निहित है। पहले देश सोने की चिड़िया कही जाती रही, वही समरसता गंगा-जमुनी तहजीब इसको विरासत में मिली है। उन्होंने कहा कि काशी एक उदाहरण ही नहीं कर साधना, तपस्या और ज्ञान-विज्ञान का केंद्र के रूप में जीवनता बनाये रखी है। श्री भगत नेहरू युवा संघन द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल अतिथि भवन के सभागार में आयोजित सात दिवसीय आठवां 'जनजातीय युवा आदान-प्रदान' कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में उड़ीसा व झारखंड के नौ जनपदों से आये जनजातीय युवाओं के लिए यह स्वर्णिम अवसर है कि नक्सल प्रभावित जीवन जीने से अलग एक नई चेतना व जीवनशैली का दर्शन कृतार्थ होगा। यहां मिले प्रेरण, ज्ञान और जीवन शैली को उड़ीसा व झारखंड की धरती पर पुष्पित व पल्लवित करने का नैतिक दायित्व जनजातीय युवाओं की है। उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव का युवा के संभव नहीं है। ऐसे में युवा अपने दायित्व राष्ट्र-निर्माण व उसकी एकता एवं अखण्डता को बनाये रखने का कार्य करेंगे।

विशिष्ट अतिथि डीके केडिया (एलडब्ल्यूईओ) ने



आईजी एके भगत को बुके प्रदान कर स्वागत करते कार्यक्रम के संयोजक और सम्मानित प्रतिभागी।

प्रतिभागियों का आह्वान करते हुए कहा कि सात दिनों के अनुभवों को समेटते हुए जब घर-गांव जायें तो शांति, सद्भाव, भाईचारा का संदेश दे और राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़कर विकास को आगे बढ़ाये। अमेरिका अरबन शैपन भाषा विज्ञान विश्वविद्यालय के हिन्दी प्रोफेसर मिथिलेश कुमार मिश्र ने भावाई प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र भाषा को जितने ही सशक्त ढंग से अंगीकार किया जायेगा उतने ही सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक

विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। झांसी के जिला समन्वयक अतुल द्विवेदी ने कहा कि कभी भी यह महसूस नहीं करना चाहिए कि हम सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से पीछे हैं। मेहनत व लगन के साथ इसान बलदियों पर पहचान बना सकता है।

समापन अवसर पर सुशील करेकेटा, बतिसा, पुनम कच्छप, निकिता, अमरजित, विशाल तथा पैरा मिलिट्री के

अंजू, लक्ष्मी, रामजित, राकेश ने सात दिनों के अनुभवों की चर्चा की। स्वागत नेहरू युवा संगठन के उप निदेशक कमलेश नारायण दुबे ने किया तथा प्रतिभागियों का स्मृति चिह्न व प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस मौके पर स्थानीय स्वयंसेवक चन्दन वर्मा, मनीष तिवारी, वन्दना तिवारी, राजमणि सिंह, वंदना सिंह, प्रमोद मिश्र आदि मौजूद रहे। संचालन राज्य प्रशिक्षक केएल पथिक तथा धन्यवाद ज्ञापन एके चतुर्वेदी ने किया।

## 12 | दैनिक जागरण वाराणसी, 3 मार्च 2016

### युवाओं से ही बदलाव संभव

जागरण संवाददाता, वाराणसी : समाज में बदलाव युवाओं के बिना संभव नहीं है। ऐसे में युवा अपने दायित्व राष्ट्र निर्माण व उसकी एकता व अखंडता को बनाए रखने में करें। उक्त बातें बुधवार को नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा आयोजित सात दिवसीय 8 वां जनजातीय युवा आदान-प्रदान संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक एसके भगत ने कही। श्री भगत तेलियाबाग स्थित पटेल अतिथि गृह में युवाओं व पैरा मिलिट्री फोर्स के जवानों, स्वयं सेवकों को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर खास मेहमान अमेरिका अरबन-शैपन भाषा विज्ञान विश्वविद्यालय के हिन्दी प्रोफेसर मिथिलेश कुमार मिश्रा ने अपने उद्बोधन में क्षेत्रीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। कहा कि

जहां राष्ट्रभाषा को जितने ही सशक्त ढंग से अंगीकार किया जाएगा, वहां कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक विकास की संभावनाएं उतने ही तेजी से आगे बढ़ेंगी। निदेशक एलडब्ल्यूईओ द्वितीय डीके केडिया ने प्रतिभागियों से राष्ट्र विकास में सहभागिता की अपील की। उनके साथ अपने अनुभव व ज्ञान को बांटा। कहा घर-गांव को जाए तो शांति, सद्भाव, भाईचारा का संदेश फैलाएं। विशिष्ट अतिथि जिला समन्वयक झांसी अतुल द्विवेदी ने कहा कि कभी किसी को ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से हम पीछे हैं। इस मौके पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। समारोह में धन्यवाद ज्ञापन कमलेश नारायण दुबे व एके चतुर्वेदी ने दिया।



## युवा करें राष्ट्र निर्माण में सहयोग

वाराणसी। नेहरू युवा केन्द्र संगठन की ओर से तेलियाबाग स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल सभागार में आयोजित सात दिनी आठवां जनजातीय युवा आदान-प्रदान प्रशिक्षण समारोह का समापन हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी एसके भगत ने कहा कि समाज में बदलाव के बिना युवाओं का विकास संभव नहीं है। युवा राष्ट्र के निर्माण व उसकी एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए कार्य करें। इसमें ओडिशा एवं झारखण्ड के युवकों ने भाग लिया। इस मौके पर डीके केडिया, प्रो. मिथिलेश कुमार मिश्र, अतुल द्विवेदी, केएन दुबे, एके चतुर्वेदी, केएल पथिक आदि उपस्थित रहे।

## भाषा के सामंजस्य से सोच में बदलाव

सकारात्मक सोच के लिए शांति दूत कर रहे कार्य

• सामूहिक चर्चा में वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक प्रोफेसर मिथिलेश ने रखी अपनी बात

जागरण संवाददाता, वाराणसी : जनजातियों के बीच बोली जाने वाली भाषा में हिंदी जैसे सागर में जाकर मिलती है। हमें भाषा के विवाद से विरत रहकर नक्सली क्षेत्र के बीच भाषा का सामंजस्य स्थापित कर वहाँ की सोच में बदलाव को जरूरत है जो युवाओं के माध्यम से ही संभव है। उक्त बातें मंगलवार को तेलियाबाग स्थित पटेल अतिथि गृह में 'जनजातीय सांस्कृतिक चेतना एवं निरंतरता' विषयक सामूहिक चर्चा में प्रतिभागियों से वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक प्रो. मिथिलेश कुमार मिश्र ने कही।

निदेशक दीपक कुमार केडिया ने कहा भारत के 10 जगहों पर नक्सलवाद के विरुद्ध उनके सकारात्मक सोच व व्यवहार परिवर्तन के लिए शांति दूत के रूप में जनजातीय युवाओं को हर तरह की सुविधाएँ दी जा रही हैं। कार्यक्रम संयोजक कमलेश नारायण दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस दौरान अन्य वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम में योग, श्रमदान, सफाई के साथ ही विभिन्न उद्योगों व जनपदों के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें प्रथम स्थान युवा यात्री (उड़ीसा) को दिया गया। कार्यक्रम में उड़ीसा, झारखंड आदि के 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर एके चतुर्वेदी, अतुल द्विवेदी, आरसी मौर्य, उदय प्रसाद आदि उपस्थित थे।



पटेल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते वक्ता प्रो. मिथिलेश मिश्र।

### जितना प्रयोग, उतनी समृद्ध

भाषा कोई भी हीन नहीं, मूलरूप से सभी समान होती है। अपनी भाषा को संरक्षित रखना ही जनजातों का प्राथमिक अधिकार है। संरक्षित भाषा का जितना ज्यादा प्रयोग होगा, उतनी ही समृद्ध नजर आएगी। यानी भाषा में अविकसित और विकसित का फर्क करना गलत है। अक्सर भाषा की न्यायसिद्धि हीनता के कारण लोग उस समृद्धता को भी हीन नज़र से देखते हैं जो गलत है। आज बच्चों को सही गलत की शिक्षा नहीं मिल पा रही। ऐसे में माता-पिता द्वारा बच्चों को उचित-अनुचित का संस्कार देना होगा।

— प्रो. मिथिलेश कुमार मिश्र, वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक अध्यक्ष, हिंदी प्रोग्राम इंडोनेशिया विश्वविद्यालय अरस्ताना शरीर, भाषा विज्ञान विभाग उमरिका।

## राष्ट्र निर्माण के लिए करें हमेशा कर्तव्यों का पालन

वाराणसी : प्राकृतिक संसाधनों का धनी होने के बाद भी झारखंड व उड़ीसा की जनजातियाँ पिछड़ी हुई हैं। शिक्षा और कौशल को महत्व देकर वहाँ के युवा समाज की मुख्य धारा से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग दें। ये बातें गुरुवार को नेहरू युवा केन्द्र संगठन वाराणसी की ओर से सरदार बल्लभ भाई पटेल अतिथि भवन के सभागार में आठवें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मंडलायुक्त नितिन रमेश गोकर्ण ने कही।

उन्होंने कहा कि सात दिवसीय आयोजन में युवाओं को देश की सांस्कृतिक राजधानी काशी से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। इसका फायदा व अपने समाज को पहुँचा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि दिनेश सिंह ने कहा कि भारत निश्चय ही विविधताओं वाला देश है और आज भी 8.02 प्रतिशत जनजातीय भाई-बहनों ने अपनी संस्कृति व भाषा को संजोकर रखा है। विरसा मुंडा, महर्षि वाल्मीकि व तेजन बाई का इतिहास आज जनजातियों के लिए प्रेरणास्रोत है। डा. वंदना सिंह ने कहा कि हमें पुराने धरोहरों को संजोते हुए आधुनिक भारत के निर्माण के लिए तैयार रहना होगा।

- जनजातियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सात दिवसीय कार्यक्रम शुरू
- दो राज्यों के नौ जनपदों से आए हैं कुल 200 प्रतिभागी

अध्यक्षता करते हुए महापौर राम गोपाल मोहले ने कहा कि जनजातीय समाज भारत की गौरवशाली जातियों में से एक रही है।

इस सात दिवसीय कार्यक्रम में झारखंड व उड़ीसा के नौ जनपदों के कुल 200 प्रतिभागी व सीआरपीएफ, बीएसएफ व सीआइएसएफ के 20 एस्काट प्रतिभागी शामिल हैं। स्वागत कार्यक्रम संयोजक एवं नेहरू युवा केन्द्र संगठन के उप-निदेशक कमलेश नारायण दुबे ने किया। अतिथियों ने जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान की ओर से आदिवासियों पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। संचालन राज्य प्रशिक्षक कन्हैया लाल पथिक व आरसी मौर्य ने की। धन्यवाद जिला समन्वयक एके चतुर्वेदी ने किया।

# जनसंदेश

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं झुलहाबाद से प्रव

## नैतिक दायित्व निभाएं

### आयोजन

### जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम सम्यन्

वाराणसी। भारत की राष्ट्रीय धरोहरों की मौलिकता और महापुरुषों के योगदान से काशी की अपनी पहचान है। आध्यात्मिक चेतना के केन्द्र काशी का जहाँ अपना गौरव है वहाँ झारखण्ड भी प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के बाद भी वहाँ की जनजातियाँ पिछड़ी हुई हैं। आज जनजातीय युवाओं को अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए।

यह विचार नेहरू युवा केन्द्र संगठन वाराणसी की ओर से तेलियाबाग स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल अतिथि भवन में आयोजित जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद से विचार व्यक्त करते हुए कमिश्नर नितिन रमेश गोकर्ण ने व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि दिनेश सिंह ने कहा कि भारत विविधता का देश है। जनजाति के लोग जहाँ अपना जीविकोपार्जन महुआ बीनने व पेड़ काट कर

करते रहे वहीं शिक्षा जगत से जुड़े जनजाति के लोग आगे हैं। 8.02 प्रतिशत जनजाति के लोग अपनी संस्कृति व भाषा को नहीं खोते हैं। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ महिला महाविद्यालय की एसोसिएट प्रो. डा. वंदना झा ने कहा कि हमें अपनी पुराने धरोहर को संजोकर रखते हुए आधुनिक भारत के निर्माण के लिए कटिबद्ध होना पड़ेगा।

कार्यक्रम को अध्यक्षता करते हुए मेयर रामगोपाल मोहले ने कहा कि जनजातीय समाज भारत की गौरवशाली जातियों में एक रही है। जिनके पूर्वजों ने वीरगाथा के माध्यम से नये समाज की रचना की। आज काशी की धरती पर

जो अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत चादर फैला कर आपका स्वागत करती है। वहाँ राष्ट्रीय परम्पराओं को जीवंत बनाये रखने का युवा कार्य करें। 8वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में दो राज्यों झारखण्ड व उड़ीसा के नौ जनपदों से कुल दो सौ प्रतिभागियों व 20 सीआरपीएफ, बीएसएफ व आईएसएफ के प्रतिभागी शामिल रहे। समारोह में जनजातीय युवाओं व युवतियों ने नृत्य, गीत, संगीत व पुष्प चर्चा कर अतिथियों का स्वागत किया। अतिथिजनों ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम संयोजक उप-निदेशक कमलेश नारायण दुबे ने बुके व स्मृति चिह्न भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आदिवासियों पर प्रदर्शनी भी लगायी गई थी। संचालन कन्हैया लाल पथिक व आरसी मौर्य ने किया। धन्यवाद ज्ञापन एके चतुर्वेदी ने दिया। वरुं



## वाराणसी जागरण

# भाषा के सामंजस्य से सोच में बदलाव

### सकारात्मक सोच के लिए शांति दूत कर रहे कार्य

- सामूहिक चर्चा में वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक प्रोफेसर मिथिलेश ने रखी अपनी बात

**जागरण संवाददाता, वाराणसी :** जनजातियों के बीच बोली जाने वाली भाषा में हिंदी जैसे सागर में जाकर मिलती है। हमें भाषा के विवाद से विरत रहकर नक्सली क्षेत्र के बीच भाषा का सामंजस्य स्थापित कर वहां की सोच में बदलाव की जरूरत है जो युवाओं के माध्यम से ही संभव है। उक्त बातें मंगलवार को तेलियाबाग स्थित पटेल अतिथि गृह में 'जनजातीय सांस्कृतिक चेतना एवं निरंतरता' विषयक सामूहिक चर्चा में प्रतिभागियों से वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक प्रो. मिथिलेश कुमार मिश्रा ने कही।

निदेशक दीपक कुमार केडिया ने कहा भारत के 10 जगहों पर नक्सलवाद के विरुद्ध उनके सकारात्मक सोच व व्यवहार परिवर्तन के लिए शांति दूत के रूप में जनजातीय युवाओं को हर तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं। कार्यक्रम संयोजक कमलेश नारायण दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस दौरान अन्य वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम में योग, श्रमदान, सफाई के साथ ही विभिन्न राज्यों व जनपदों के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें प्रथम स्थान नुवा पाड़ी (उड़ीसा) को दिया गया। कार्यक्रम में उड़ीसा, झारखंड आदि के 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर एके चतुर्वेदी, अनुल द्विवेदी, आरसी मोर्य, उदय प्रसाद आदि उपस्थित थे।



पटेल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते वक्ता प्रो. मिथिलेश मिश्रा।

### जितना प्रयोग, उतनी समृद्ध

भाषा कोई भी हीन नहीं, मूलरूप से सभी समान होती है। अपनी भाषित संरचना में अपनी संप्रेषणीयता में मूलरूप से फर्क नहीं है। दरअसल भाषा का जितना ज्यादा प्रयोग होगा, उतनी ही समृद्ध नजर आएगी। यानी भाषा में अदिकसित और विकसित का फर्क करना गलत है। अक्सर भाषा की तथाकथित हीनता के कारण लोग उस समुदाय को भी हीन दृष्टि से देखते हैं जो गलत है। आज बच्चों को सही गलत की शिक्षा नहीं मिल पा रही। ऐसे में माता-पिता द्वारा बच्चों को उचित-अनुचित का संस्कार देना होगा।

—प्रो. मिथिलेश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक अध्यक्ष, हिंदी प्रोग्राम इलिनॉय विश्वविद्यालय अरवाना शैपेन, भाषा विज्ञान विभाग अमेरिका।

## हिन्दुस्तान

• वाराणसी • गुरुवार • 25 फरवरी 2016

# वाराणसी

### अपने शहर में

● **सम्मान :** जालान सिंथेटिक्स की ओर से आईपीएस डॉ. हरिश्चंद्र सिंह का बांसफाटक कार्यालय परिसर में शाम 7:30 बजे।

● **स्वागत :** भारवाड़ी युवा मंच की ओर संकटमोचन मंदिर के पास

● **आदान-प्रदान कार्यक्रम :** नेहरू युवा केन्द्र वाराणसी की ओर से सरदार पटेल स्मारक अतिथि निवास तेलियाबाग में मेयर व मंडलायुक्त मौजूद रहेंगे, दोपहर 3:00 बजे।

● **जागरूकता रैली:** फार्मासिस्ट

### कौशल के जरिये रोजगार अपनाकर नौकरी की समस्याको करें दूर

देश की बढ़ती जनसंख्या और नौकरी की समस्या का समाधान कौशल के जरिये रोजगार अपनाकर ही किया जा सकता है। जनजातीय क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद वहां रोजगार के अवसर बहुत कम हैं, जिसके कारण बेकारी, भूखमरी एवं बेरोजगारी की स्थिति है। आज जरूरत है कि युवा कौशल को अपनाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। यूनिवर्सिटी ऑफ अग्रसेटी इसी दिशा में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ रहा है। यह विचार रविवार को नेहरू युवा केन्द्र द्वारा गृहनंत्रालय के सहयोग से सरदार बल्लभभाई पटेल अतिथि निवास में आयोजित आठ वें जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में आरसेटी यूबीआई के निदेशक आलोक नियोगी ने व्यक्त किया। उन्होंने जनजातीय समाज के लिए विभिन्न विषयों पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल प्राप्त कर रोजगार से जुड़ने पर बल दिया।



## GUWAHATI

### जनजाति युवा एक्सचेंज कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी, 25 फरवरी (पृ.सं.)। नगर के 9 माइल स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के ग्रुप सेंटर में आज 8वां जनजाति युवा एक्सचेंज कार्यक्रम आयोजित की गई। मालूम हो कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की स्वायत्तशासी संस्था नेहरू युवा केंद्र संगठन तथा केरिपुबल के संयुक्त प्रयास से इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजाति युवकों का देश के निभिन्न भागों के साथ भावनात्मक संपर्क तथा उनके व्यक्तित्व का विकास करना है।

इस अवसर पर केरिपुबल के पूर्वोत्तर क्षेत्र के डीआईजीपी रफीक हुसैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके अलावा भारत सरकार के गृह मंत्रालय के उप-निदेशक केके झा, केरिपुबल ग्रुप सेंटर के कमांडिंग आफिसर संजोव राय, भारतीय उद्यमशीलता संस्थान के निदेशक मनोज कुमार दास आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

### Tribal youth exchange programme

GUWAHATI, March 2: To help the tribal youth of Orissa and Jharkhand develop emotional linkages with their peer groups in other parts of the country and to equip them with life skills and job skills, a seven-day tribal youth exchange programme was organised by the Nehru Yuva Kendra Sangathan, Guwahati Zone with the help of Group Centre, CRPF, Guwahati in collaboration with the Ministry of Home Affairs, Govt of India from February 25 to March 2, last, a press release received here stated. A total of 200 participants along with 20 escorting officers from BSF, CRPF and SSB participated in the programme.

The closing ceremony was organised at the CRPF Group Centre, Guwahati Nine Mile. The Vice-Chancellor of Cotton College State University, Dhruba J Saikia was present as the chief guest in the closing ceremony held on March 2. Among the other dignitaries present in the function were Sanjeeva Roy, Commandant, CRPF Group Centre, Guwahati and Ingkhanguwang, Zonal Director, Nehru Yuva Kendra Sangathan, Guwahati.



# पूर्वांचल प्रहरी

पूर्वोत्तर का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला हिंदी दैनिक

● नगर संस्करण ●

hall, 26 February, 2016, Postal Reg. No. RN/P/GH-139/2016-2018

दि. सं. 40914/89, वर्ष-27, अंक-276, फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष 4, विक्रम सं. 2072

## Tribal youth exchange programme

**GUWAHATI, Feb 22:** A tribal youth exchange programme is scheduled to be organised at Group Centre, CRPF, Amerigog, 9th Mile here from February 25 to March 2.

The week-long event is being organised by the Nehru Yuva Kendra Sangathan, Guwahati zone, with help from the Group Centre, CRPF, Guwahati, in collaboration with the Union Ministry of Home Affairs.

The basic objective of this programme is to help tribal youth develop emotional linkages with their peer groups in other part of the country and equip them with life skills and employability skills to develop their personality.

This programme is also expected to help expose tribal youth to the technological and industrial advancements that have taken place in different states of the country with focus on various activities, skill development, educational and employment opportunities available in those places.

A total of 200 participants along with 19 escorting officers from Odisha and Jharkhand will participate in this programme.

The inauguration of the programme will be held at the Group Centre, CRPF, Amerigog, on February 25 at 2 pm.

## आठवां जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आरंभ

गुवाहाटी। नेहरू युवा केंद्र संगठन, भारत सरकार के युवा मंत्रालय व खेल मंत्रालय की ओर से 7 दिवसीय आठवां जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ आज नगर के 9 माइल स्थित सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर के प्रेक्षागृह में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीआरपीएफ के पूर्वोत्तर जोन के डीआईजी रमोक हुसैन ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजातीय युवाओं को देश के विभिन्न हिस्सों, सांस्कृतिक व परंपराओं की जानकारी देना, जिससे वे वे देश में हो रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर, अपना विकास कर सकें। आज के परिदृश्य में भारत एक तेजी से बढ़ती हुई विकासशील अर्थ व्यवस्था है। ऐसे में हमारे जनजातीय युवाओं को समाज में सम्मानजनक स्थिति में पहुंचने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे न सिर्फ जनजातीय युवा स्वयं को आज के परिवेश में ढालने में सक्षम होंगे, बल्कि उनकी सांस्कृतिक धरोहर से लोगों का परिचय भी होगा। स्वतंत्रता के परवचत ही राज्य व भारत की सरकारों के द्वारा जनजातियों के कल्याण पूर्ण विकास को काफी महत्व दिया गया है, जिसके फलस्वरूप जनजातियों के रहने-सहन में सुधार हुआ है। तिसरात, मेरोनगरी, गरीबी तथा इनसे जुड़े अन्य अनेक कारणों ने जनजातियों को मुख्य धारा से दूर रखा और साथ ही अलागव्यवदी ताकतों के दुष्प्रभाव ने इनकी स्थिति को और बदतर बना दिया। यहीं इस अवसर पर आईआईई के निदेशक मनोज कुमार दास ने कहा कि युवाओं के बीच इस तरह के आदान-प्रदान कार्यक्रम से उनके दिमाग का ताला खुल जाता है। मैं अपनी उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए गुजरात गया, जहां हमने बहुत कुछ सीखा। प्रगति के लिए मानसिक सोच व सकारात्मक सोच हीनी चाहिए। भारत में 70 करोड़ युवा हैं। अन्य देशों में सबसे अधिक संख्या युवाओं की है। सरकार 50 करोड़ युवाओं को दक्षता विकास से जोड़ना चाहती है। उन्हीने कहा कि युवाओं



का पढ़ाई के साथ-साथ अपने हाथ का हुनर भी सीखना चाहिए ताकि हम अपनी देशता का परिचय दें व अपना आत्मविश्वास बढ़ाएं। यहीं इस अवसर पर केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के उप-सचिव केके झा ने कहा कि युवाओं को सरकार द्वारा बनाई गई विकासमूलक योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम से एक युवा से दूसरे युवा को सीखने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सीआरपीएफ के ग्रुप कमांडर संजीव राय व एनवाईकेएस के गुवाहाटी के क्षेत्रीय निदेशक इन्ड्रजंगुगु मंचासिन थे। वहीं एनवाईकेएस के पूर्वोत्तर जोन के (एचडीबी) इंसपे.एम एंड ई ऑफिसर अजिजुर रहमान ने सभी को धन्यवाद दिया। (एस)

# निष्पक्ष समाचार ज्योति

(हिन्दी दैनिक)

3 रेलवे की छवि बदलने वाला बजट... 12 मुन्ना भाई ने कहा, आजादी आसान नहीं

## ट्राइबल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग ले रहे दो सौ जनजाति युवक

गुवाहाटी। नगर के नौ माइल स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में आज आठवां जनजातीय युवा विचार विनिमय कार्यक्रम शुरू हुआ। यह कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र संगठन (भारत सरकार के युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय) तथा सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से केंद्रीय गृह मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम मुख्य उद्देश्य जनजातीय युवाओं में देश के अन्य युवाओं के साथ परस्पर सांस्कृतिक अंतरों को दूर करने और जीवन कौशल तथा वेतनगारके कौशल विकसित करना है ताकि उनका व्यक्तिगत विकास हो सके। आगामी 2 मार्च तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान जनजातीय युवाओं को देश के विभिन्न भागों में हुए तकनीकी एवं औद्योगिक विकास से रुबरू कर दिया जाएगा।

आज कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में सीआरपीएफ के पूर्वोत्तर जोन के डीआईजी मोहम्मद रमोक हुसैन ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में शामिल होने वाले अन्य मुख्य लोगों में केंद्रीय गृह मंत्रालय के उप-निदेशक के के झा सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर के कमांडर संजीव राय, सीआरपीएफ के ग्रुप कमांडर इन्ड्रजंगुगु मंचासिन के निदेशक मनोज कुमार दास, नगर के उप-सचिव केके झा संगठन अध्यक्ष के क्षेत्रीय निदेशक इन्ड्रजंगुगु मंचासिन थे। कार्यक्रम में 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिसका चयन सीआरपीएफ, सीआरपीएफ एवं एनवाईकेएस ने किया है। इसमें उद्घाटन एवं कार्यक्रम के 19 अधिकारी भी भाग ले रहे हैं।

# অসমীয়া প্ৰতিদিন

Regn. No. 53902/95, e-paper: www.asomiyapratidin.in, e-mail: asomiyapratidin@yahoo.co.in

## নেহৰু যুৱ কেন্দ্ৰৰ 'আদিবাসী যুৱ ভাব বিনিময় অনুষ্ঠান'ৰ সামৰণি

প্ৰতিদিন অসমীয়া প্ৰতিদিন, ০৩ মাৰ্চ ২০১৬  
নেহৰু যুৱ কেন্দ্ৰৰ উদ্যোগত ২২ জেনুৱাৰীৰ পৰা আদিবাসী যুৱকসকলৰ মাজত 'আদিবাসী যুৱ ভাব বিনিময় অনুষ্ঠান'ৰ আৰম্ভণি কৰা হৈছে। এই অনুষ্ঠানখনৰ মাজত অসমীয়া আদিবাসী যুৱকসকলৰ মাজত আন্তঃসাংস্কৃতিক বিনিময় আৰু জ্ঞান-সম্পদৰ বিনিময় কৰা হৈছে। এই অনুষ্ঠানখনৰ মাজত অসমীয়া আদিবাসী যুৱকসকলৰ মাজত আন্তঃসাংস্কৃতিক বিনিময় আৰু জ্ঞান-সম্পদৰ বিনিময় কৰা হৈছে।

এই অনুষ্ঠানখনৰ মাজত অসমীয়া আদিবাসী যুৱকসকলৰ মাজত আন্তঃসাংস্কৃতিক বিনিময় আৰু জ্ঞান-সম্পদৰ বিনিময় কৰা হৈছে। এই অনুষ্ঠানখনৰ মাজত অসমীয়া আদিবাসী যুৱকসকলৰ মাজত আন্তঃসাংস্কৃতিক বিনিময় আৰু জ্ঞান-সম্পদৰ বিনিময় কৰা হৈছে।



city ભાસ્કર
WEDNESDAY, 16.03.2016
AHMEDABAD

નહેરુ યુવા કેન્દ્રની પહેલ ઝારખંડ-છત્તીસગઢના નક્સલાઈટ ક્ષેત્રોના 200 વિદ્યાર્થીઓ મુખ્ય પ્રવાહમાં ભળવા ગુજરાતના મહેમાન

‘ગગનચુંબી ઈમારતો અમે જિંદગીમાં પહેલીવાર જોઈ’

ભાવિ પેઢીને નક્સલવાદથી દૂર રાખવા આર્મી, બીએસએફ, સીઆરપીએફની કવાયત: સપ્તાહ સુધી વિવિધ સાંસ્કૃતિક કાર્યક્રમો બતાવશે

‘ગગનચુંબી ઈમારતો અમે જિંદગીમાં પહેલીવાર જોઈ.’ ઝારખંડથી જિલ્લામાંથી આવેલી વિદ્યાર્થીની મારકા ડાંગર ભેલી હતી. તે ઝારખંડના નક્સલવાદથી પ્રભાવિત અતિકુખ્યાત ખુંટી જિલ્લાની રહેવાસી છે. તે કહે ખરાબ છે. આમાંથી બહાર નીકળવું છે.’ મારકા જેવા ઝારખંડ-છત્તીસગઢના 200 વિદ્યાર્થીઓ હાલ અમદાવાદના મહેમાન બન્યા છે. નક્સલ પ્રભાવિત વિસ્તારોની નવી પેઢીને નક્સલવાદના દેવના પ્રભાવથી દૂર રાખવા શાલ્લી આ યુવકોના ભાગરૂપે આ વિદ્યાર્થીઓને એક સપ્તાહ સુધી અહીં વિવિધ કાર્યક્રમોમાં સામેલ કરી, વિકાસ બતાવી, પ્રોપર ગાઈડન્સ આપવામાં આવશે. જેથી ભવિષ્યમાં તેઓ ભૂલથી પણ નક્સલવાદની રાહ ન પડે.

વિજય એજન્ડા @ahm.cb
1967માં પશ્ચિમ બંગાળના નાનકડા ગામ નક્સલવાદીઓમાંથી અસંતોષની આગના તણામાંથી પ્રગટેલા નક્સલવાદના દેવના અપરંપરામાં આજે દેશના 8 વધુ રાજ્યોના 60 જેટલા જિલ્લાઓ હોમાઈ ચુક્યા છે. નક્સલવાદથી સૌથી વધુ પ્રભાવિત એવા ઝારખંડના બે અને છત્તીસગઢના 22 જિલ્લાના વિદ્યાર્થીઓ ગુજરાતના મહેમાન બન્યા છે. ઝારખંડના ખુંટી, લોવરતા, ચતાર, ગમલા,...



‘રેડ કોરિડોર’: નક્સલવાદથી પ્રભાવિત છે મારકા ડાંગરનો અતિપછાત ખુંટી જિલ્લો
જારખંડના નક્સલાઈટ વિસ્તાર

મારકા જમાની રહેવાસી છે તે ખુંટી વસતિની જિલ્લા ઝારખંડનો બીજા નંબરનો જિલ્લો છે. નક્સલ પ્રભાવિત વિસ્તારોના ‘રેડ કોરિડોર’નો ભાગ ગણાય છે. આ પ્રદેશ કેટલો પછાત છે તેનો અંદાજ ઉપરની તસવીર જોઈને લગાવી શકાય છે.

પેજ નં.1 નું અનુસંધાન
‘ગગનચુંબી ઈમારતો વિદ્યાર્થીઓ સાથે આવેલા સીઆરપીએફના જવાનોને ઠ. પેલી વાત-બીમાં જાણવા મળ્યું. તે 200 પેઢી કેટલાક વિદ્યાર્થીઓ તે એવા છે જેના પાંચથી પ્રત્યેક અથવા પાંચથી વધુ નક્સલાઈટ સાથે સંકળાયેલા છે. અનુકૂળ પરિવારમાંથી તો યુવાનો જરૂરી પડે છે. ડીઆરબીએ નક્સલવાદની રહેવાસી છે. નક્સલ ઈટ વિસ્તારોમાં રાખ્યા સમુદાય કેરોના જે છે. મેં જોયું છે. મને નક્સલાઈટોની દારૂ શાળાની નક્સલાઈટોની લીસ શાર. ક્ષિપ પાશ મજદૂર કરે છે. ડેસાં એ અને મુજરાત મારકા દેસાં આ વિદ્યાર્થીઓને વિકાસ નું મહત્ત્વ સપ્તાહનું.’

ઝારખંડ અને છત્તીસગઢના વિદ્યાર્થી કહે છે કે, અમારે ત્યાં ફેસબૂક, વોટ્સઅપ દૂરની વાત કરવા ફોન સુધ્યા નથી.

નક્સલાઈટ વિસ્તારના 200 વિદ્યાર્થી અમદાવાદ આવ્યા
પ્રથમવાર ટ્રેનનો પ્રવાસ કર્યો અને સારું ભોજન જમ્યા.

અહીંના ૬૫ વર્ષ પછી પણ દેશનો સવસ્ત્રો સવાલ નક્સલવાદ ભારતના આક્રમહત્વાના રાખને પ્રભાવિત કરી રહ્યો છે. સરકાર અને નક્સલવાદીઓ વચ્ચેની યુદ્ધમાં આ મહેમાન લોકોને જીવન દિવસેને દિવસે વાનવું થઈ ચૂકું છે. નક્સલ પ્રભાવિત વિસ્તારોના બે મહત્ત્વના ગામ પ્રદેશ અને છત્તીસગઢના ૨૦૦ જેટલા વિદ્યાર્થી અને તેમના માર્ગદર્શક અમદાવાદ આવ્યા છે. આ અને તેમનામાંથી આવેલા વિદ્યાર્થીઓ એટલી ઈમી પરિસ્થિતિ વચ્ચે જીવન કરી રહ્યા છે કે તેમણે પ્રથમવાર ટ્રેનની લાંબી મુસાફરી કરી અમદાવાદ આવ્યા છે અને પ્રથમવાર અમદાવાદ આવી સારું ભોજન જમ્યાં છે. આ વિસ્તારમાં રહેતો મામસ ખરીબો, મેરોજાટી અને ગ્રામીણ જરૂરિયાતો વચ્ચે પીસાઈ રહ્યો છે. અહિં રહેતા યુવાનોને જે વિવિધ કોષ્ટકોમાં ટ્રેનિંગ આપવા અને પ્રાથમિક જરૂરિયાતોને લગતી સમજ અથવા તો થોડો ઉપદ્ર. વિકાસ થઈ શકે છે તેવા હેતુ સાથે ભારત સરકારના મુખ મંત્રાલય પુસ્તક તથા નહેરુ યુવા કેન્દ્ર સંચાલન, ગુજરાત સરકાર સંબંધિત આદર્શ આદિ જાતિ યુવા અદાન-મદાન કાર્યક્રમ આયોજન ૨૦ માંથી સુધી અમદાવાદમાં કરાયું છે. જેમાં જીવનકે તથા ઝારખંડ રાજ્યના નક્સલાઈટ વિસ્તારના યુવા ભાગ-ભાગે ભાગ લીધો છે. અહીં આવેલા ૨૦થી ૩૦ વર્ષના ઉંમરના યુવાનોને સીઆરપીએફ કેમ્પની સિદ્ધિ, મહાત્મા મંદિરની મુલાકાત, સ્ટાઈસ ઈન્ડિયા, યુવાન ઇન્ડોગ્રીમાં મુલાકાત, ગુજરાત વિદ્યાપીઠમાં મુલાકાત, ગુજરાતી સાહ્યકર્મા વગેરે જેવી એક્ટિવિટી કરાવી.



વિદ્યાર્થીઓએ કહી નક્સલાઈટ વિસ્તારની હકીકત
સરકારી સ્કૂલ છે પરંતુ ભલામનાર વિકાસ નથી
સમાજ વિષય ભલામનાર સ્કૂલ છે પ્રયોગશાળા જે અર્થિક નથી
કપાસ, ઘઉં અને જીરા ખેતી અને પ્રથમવાર ગુજરાતમાં ખેડ
કેલવે પ્રથમવાર લાંબી મુસાફરી
ઘરમાં એક જે વીજળીની
કરી શાળા
સ્પોર્ટ્સમાં સ્ટેટ લેવેલે રમવું છે પરંતુ ડોઝ મહત્ત્વા નથી
ફેસબૂક, વોટ્સઅપ દૂરની વાત છે વાત કરવા ફોન સુધ્યા નથી
કંકરને વળી ઉલ ઇલાવું નામ છે
ઘરમાં એક જે વીજળીની
બસા પ્રગમિત રહે છેલ્લો પાવર જે ઘરમાં સાથે છે
પાસા રસતા ગુજરાતમાં જોયા અર્થિક તો પગદંડી જે છે
સ્ટાઈસ ઇન્ડિયા વિશે ડોઝ માહિતી નથી
મદિલાઓ માટે સારા
સિલવાઓ માંડી લાગેએગ્નો
ભલામ છે
નક્સલવાદી વિસ્તારના યુવાનો શું કહે છે
સ્કૂલમાં પુસ્તાકો લોક
વિદ્યાર્થીઓ માટે સારા સ્પોર્ટ્સ ઝાડકે બને
સ્કાતોની સુવિધા સારી બને
આર્થિક ભારેખા કેસ વધુ બને
ઘરમાં લગીનો માટે બાલ લાગવડું કુદિયા દેખી શકાય
મોજાલ ઘરમાંની સુવિધા વધુ બને જેથી ટોન-જોકેના વડે
મોતીને પ્રોત્સાહન મળે અને ડોનેશનની રૂા થાય

સિંગલ હોય તો જે ઠમાણી
અમારા વિસ્તારમાં મરીમાં એટલી છે કે અહીં રહેતા લોકોને સિંગલ ઠમાણે જ ખેતી કે પંથો શક્ય છે. માકી આપુ વર્ષ નક્કારા બેચી રહેવું પડે છે.
સંપત્તિ મુજબ
નેટ લોકલમાં સ્ટેટ લેવેલની ક્વોલિટી સુધી પરંતુ સ્પોર્ટ્સમાં કેસ પ્રોત્સાહન નથી
ઝારખંડના મુખ્ય જિલ્લા ઝારખંડ નેલ ઝાખાર આઈ. જે વિસ્તારની અહિં છે બો લક્ષ્યમાં, ગરીબો વાને નોકરન દી. સિલકા કરે તેવા નેલામાં જિલ્લા લેવેલ કે માન અનુકૂળતા અને નર સંચાલે છે તેવા નેલા ને. ખાનકુડીના કોષ્ટકો વચ્ચે ફરહી મજુરી આપે છે તો વલ રહેવા માટે પ્રયત્ન કરે. એક આઈડીની અનુભવે છે. નેલા વડે ફેકે નેલા. સર્કસમાં આખલા પ્રવેશ, કુદરેશા સર્કસ ફેકે સિયા જમ્યાં ને, તેમજ દેશની મુગરોટી. બી પાંચ ને નક્સલ વિષય સાથે પ્રોત્સાહન કરે પણ હું મહેમાન કેટલાક રમી આવી છું. સુધ્યા ને. ડોડે આમનાન-કં.

૪૫ ટકા છોકરીઓ આ કાર્યક્રમમાં જોડાઈ
નહેરુ યુવા કેન્દ્ર દ્વારા આયોજિત કાર્યક્રમમાં ૩ છત્તીસગઢ અને ૫ ઝારખંડના વિદ્યાર્થી ૨૦૦૦ વિદ્યાર્થીઓમાં જેમાં ૪૫ ટકા છોકરીઓ છે જે મોટી વાત છે.
દુષ્ટ એલી. યુવ લોકોને ડોનેશન અલદુ યુવા ધન